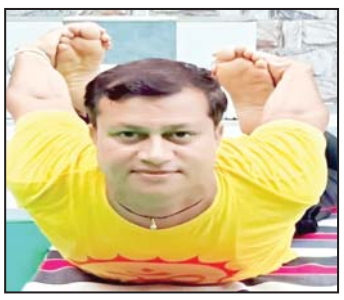

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 121

ग्वालियर, सोमवार, 21 जून, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

कलयुगी मां ने अपने नवजात बच्चे को झाड़ियों में फेंका

फतेहाबाद (ए)। फतेहाबाद जिले में मानवता को शर्मसार कर देने का मामला सामने आया है। जहां एक मां ने अपने नवजात बच्चे को झाड़ियों में फेंककर फरार हो गई। नवजात बच्चे का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। शव को जानवरों ने बुरी तरह से नोच रखा था। पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरु कर दी। जानकारी के अनुसार फतेहाबाद की भाटिया कॉलोनी के खुले पड़े इलाके में बच्चे खेल रहे थे। इस बीच बच्चे ने झाडियों में एक नवजात शिशु को देख शोर मचाया और कॉलोनीवासियों को जानकारी दी। जानकारी मिलने के बाद कुछ लोग मौके पर पहुंचे,तब देखा जानवरों द्वारा नोचा हुआ एक नवजात शिशु झाडियों में पड़ा है। जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। अभी तक यह पता नहीं चल पाया कि नवजात को यहां किसने फेंका है। फिलहाल पुलिस भी मामले में अभी कुछ नहीं बोल रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया है। शव यहां फेंकने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है। कयास लगाए जा रहे हैं, कि किसी बिन ब्याही मां ने नवजात को झाड़ियों में फेंका है।

जालंधर में ग्रीन फंगस का पहला मामला सामने आया, मरीज डॉक्टरों की निगरानी में

जालंधर (ए)। देश में कोरोना संक्रमण के मामले पहले के मुकाबले कम हो गए हैं, लेकिन संक्रमण से उबर चुके मरीजों को ब?लैक और ग्रीन फंगस के केस सामने आ रहे हैं। अब पंजाब में भी ग्रीन फंगस का पहला मामला सामने आया है। इसकी पुष्टि जालंधर के सिविल हॉस्पिटल में महामारी विशेषज्ञ ने की है। ग्रीन फंगस का मरीज कोरोना संक्रमण से ठीक हुआ है। वह डॉक्टरों की निगरानी में है। इससे पहले भी इसका एक केस सामने आया था, लेकिन उसकी पुष्टि नहीं हुई थी। बता दें कि शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार पंजाब में कोविड-19 के 600 नए मामलों के साथ ही 31 और लोगों की मौत हो गई है।वहीं चंडीगढ़ में 23 और लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। पंजाब में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 8077 हो गई है, जो एक दिन पहले 8829 थी। अमृतसर, बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट, फिरोजपुर, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर और लुधियाना से मौत के मामले आए। बठिंडा से संक्रमण के 95, जालंधर से 55 और फाजिल्का से 48 नए मामले सामने आए। राज्य में संक्रमण दर 1.14 प्रतिशत है।

नाना पटोले के बयान पर रावत ने कहा, जिसे लड़ना है वो लड़े

मुंबई (ए)। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के अपने दम पर चुनाव लड़ने वाले बयान को लेकर राज्य की राजनीति तेज हो गई है। नाना पटोले के बयान पर शिवसेना के नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। संजय राउत ने कहा कि कल शिवसेना का 55वां स्थापना दिवस था। इस मौके पर सीएम ने बताया कि आने वाले दिनों में पार्टी की क्या भूमिका रहेगी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में जो अकेले चुनाव लड़ने की बात कर रहें, अगर वो ऐसा करते हैं, तो हम क्या ऐसे ही बैठे रहेंगे? जिसे लड़ना है वो लड़े। रावत ने कहा कि शिवसेना ने राजनीतिक लड़ाई अपने ताकत पर लड़ी है। चाहे चुनाव में गठबंधन हो या न हो, लेकिन लड़ाई अपने ताकत पर ही लड़ी जाती है। बता दें कि नाना पटोले ने सोमवार को मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनने की इच्छा जाहिर की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले लड़ेगी। आलाकमान ने फैसला किया,तब मैं मुख्यमंत्री का चेहरा बनने के लिए तैयार हूं।

24 जून को घाटी में क्या बड़ा करेगी मोदी सरकार, अटकलों का बाजार गर्म

नई दिल्ली (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 24 जून को दिल्ली में होने वाली जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों के सर्वदलीय बैठक को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले आर्टिकल 370 और 35ए को निरस्त और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने के बाद से पहली बार प्रधानमंत्री मोदी बातचीत की नींव रखने जा रहे हैं। बता दें कि गृहमंत्री अमित शाह, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी बैठक का एजेंडा तैयार कर रहे हैं। पीएम मोदी के साथ होने वाली बैठक को लेकर जम्मू-कश्मीर की मुख्य पार्टियों को औपचारिक निमंत्रण नहीं भेजे गए थे, लेकिन अधिकांश की पुष्टि गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने की थी। शुक्रवार की देर शाम जब अचानक बैठक की खबरें सामने आईं, तब पता चला चला कि गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल नियमित रूप से पार्टियों तक पहुंच कर इस दिशा में काम कर रहे हैं।

बैठक को लेकर जिस तरह के कयास लगाए जा रहे हैं उनमें परिसीमन पर चर्चा सबसे ऊपर दिखाई पड़ती है। हालांकि केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा दिए जाने को लेकर भी चर्चा जोरों पर हैं।मामले में कुछ नेताओं का कहना है कि राज्य का दर्जा दिए जाने की बात करना अभी जल्दबाजी होगी। बता दें कि बैठक से ठीक पहले परिसीमन आयोग द्वारा केंद्र शासित प्रदेश के 20 जिला आयुक्तों से कई तरह की जानकारी मांगी जा चुकी है। बता दें कि परिसीमन आयोग का गठन फरवरी 2020 में किया गया था, आयोग को इस साल मार्च में एक साल का विस्तार दिया गया है। परिसीमन आयोग को विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों की सीमाओं को चित्रित करने का काम सौंपा गया है। बता दें कि अगर जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने हैं,तब इन सभी प्रक्रिया को पूरा करना आवश्यक होगा। मिली जानकारी के मुताबिक 24 जून की बैठक प्रक्रिया में केंद्रशासित प्रदेश के राजनीतिक दलों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए है। आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाली बैठक को लेकर अभी तक जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों ने कोई जवाब नहीं दिया है। आर्टिकल 370 हटने का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों ने कहा कि वह इसके लिए सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकायों से परामर्श करने वाले है। बता दें कि शनिवार को केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने जम्मू-कश्मीर के कई नेताओं को बैठक में आमंत्रित करने के लिए फोन किय था। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी (जेकेएपी) के अल्ताफ बुखारी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन सहित 14 नेताओं को बैठक में शामिल होने का न्यौता भेजा गया है।

ब्रिटेन में 80 फीसदी वैक्सीनेशन के बाद भी डेल्टा वैरिएंट के कारण कोरोना की तीसरी लहर से मचा कोहराम

लंदन (ए)। दुनिया में सबसे पहले कोविड वैक्सीनेशन शुरू करने वाले ब्रिटेन में कोरोना की तीसरी लहर ने तबाही मचा दी है। ब्रिटेन के वैक्सीनेशन प्रोग्राम से जुड़े एक शीर्ष विशेषज्ञ ने दावा किया है कि कोरोना के अत्यधिक संक्रामक डेल्टा वैरियंट के कारण ब्रिटेन कोरोना वायरस की तीसरी लहर से जूझ रहा है। पिछले 24 घंटे में ब्रिटेन में 10000 से ज्यादा कोरोना वायरस के नए मामले सामने आए हैं। जिसके बाद भारत में कोरोना की तीसरी लहर की आशंका से लोग परेशान हो गए है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में 80.6 फीसदी वयस्क आबादी को कोरोना वैक्सीन लगाई जा चुकी है। टीकाकरण एवं प्रतिरक्षण पर संयुक्त समिति (जेसीवीआई)को सलाह देने वाले प्रो एडम फिन ने कहा देश में अब टीकों और कोविड-19 के डेल्टा वैरियंट के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। प्रो फिन ने कहा कि यह फैलता ही जा रहा है, शायद हम कुछ आशावादी हो सकते हैं कि यह तेजी से नहीं फैल रहा है, लेकिन फिर भी यह फैल रहा है। इस तरह, निश्चित तौर पर तीसरी लहर जारी है। उन्होंने कहा कि हम इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि टीकाकरण कार्यक्रम, खासतौर पर वृद्ध लोगों को दूसरी खुराक देने, और डेल्टा स्परूप के तीसरी लहर के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है। जितनी जल्द हम बुजुर्ग लोगों को दूसरी खुराक दे देंगे, इस बार हम अस्पताल में उतनी कम संख्या में लोगों को भर्ती होते देखेंगे।

कमलनाथ रोकेंगे कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई

पार्टी में समन्वय बनाने मैराथन बैठकें करेंगे प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल। प्रदेश में अनलॉक के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां भी फ्री हो गई हैं। अभी तक वर्चुअल तरीके से हो रही बैठकों के बाद अब एक्चुअल बैठक करने में सियासी दल जुट गए हैं। 24 जून से कांग्रेस में भी बैठकों का दौर शुरू होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने दिल्ली दौरे से लौटने के साथ ही 24 जून से संभागवार बैठक करने का मन बनाया है। कांग्रेस पार्टी 58 जिला संगठन प्रभारियों की नियुक्ति के बाद अब उनके और जिला इकाइयों के बीच समन्वय बनाने के लिए बैठक करने की तैयारी में है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा है कि कमलनाथ के दिल्ली से लौटने के साथ ही बैठक होगी। ग्वालियर चंबल इलाके से बैठकों का दौर शुरू होगा। बैठकों का मकसद नवनियुक्त प्रभारियों और जिला इकाइयों के बीच समन्वय बनाने के साथ जिला स्तर पर पार्टी के संगठन को मजबूत करना है। संभागवार होने वाली बैठकों में प्रभारी के साथ जिला अध्यक्ष और विधायकों को शामिल किया जाएगा। 2023 के चुनाव से पहले होने वाली बैठकें कई मायनों में महत्वपूर्ण होंगी। भाजपा ने कांग्रेस पर कसा तंजः इधर, कांग्रेस की बैठकों पर बीजेपी ने तंज कसा है। बीजेपी के मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने कहा है कि कांग्रेस में समन्वय बनाने के लिए बैठकें करना बताता है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। कांग्रेस के अंदर जमकर असंतोष है। एमपी कांग्रेस में सिर्फ एक चेहरा कमलनाथ ही हैं। वे ही पूरी कांग्रेस पार्टी हैं। ऐसे में असंतोष पनपना वाजिब है। अजय सिंह ने जताई थी नाराजगीः दरअसल, हाल ही में पीसीसी ने 58 जिला संगठनों में प्रभारियों की नियुक्ति की है।

गंगा दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, टूटा कोरोना प्रोटोकॉल

नई दिल्ली (ए)। गंगा दशहरा का पर्व देश में धूमधाम से मनाया गया। गंगा दशहरा हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन श्रद्धालु बड़ी ही श्रद्धा के साथ पूरे विधि-विधान से मां गंगा की पूजा करते हैं। हिंदू धर्म में गंगा का बड़ा महत्व है। गंगा दशहरा पर्व के मौके पर कन्नौज के मेहंदी घाट पर हजारों श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए उमड़ पड़े।

इस दौरान लोगों ने कोरोना प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ाकर रख दीं। श्रद्धालुओं ने न मास्क पहन रखा था और न सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन किया। गंगा दशहरा के मौके पर कन्नौज के मेहंदी घाट पर लाखों श्राद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। इस दौरान कोरोना प्रोटोकाल से जुड़े निर्देशों को लोगों ने अवहेलना की। अधिकांश लोगों ने बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के गंगा स्नान किया। इस मौके पर हरिद्वार में लाखों लोगों ने गंगा स्नान किया। कोविड कर्फ्यू होने के बाद भी श्रद्धालुओं ने हर की पौड़ी ब्रह्मकुंड पर गंगा में डुबकी लगाई। इसके अलावा अन्य घाटों पर भी श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई।

भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा में भी गंगा दशहरा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पवित्र तीर्थ विश्राम घाट पर आकर यमुना में डुबकी लगाकर स्नान किया। कोरोना संक्रमण के काल के चलते स्नान के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब नहीं उमड़ा। जिला प्रशासन ने गंगा दशहरा पर्व को देखते हुए यमुना के विश्राम घाट के घाटों पर सुरक्षा के प्रबंध किए थे। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा दशहरा बड़ी धूमधाम से मनाया गया। दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने गंगा की पवित्र धारा में डुबकी लगाई। इस दौरान लोग कोरोना के खतरे से पूरी तरह बेफिक्र दिखाई पड़े।

टिकैत बोलेः जनता से यूपी चुनाव 2022 में भाजपा को हराने की करूंगा अपील!

टिकैत मेरठ के सिवाया टोल प्लाजा पर कृषि कानून के विरोध में बीकेयू के धरने को संबोधित करने पहुंचे थे

मेरठ (ए)। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि वो उत्तर प्रदेश के कोने-कोने में जाकर जनता से अपील करेंगे कि वो इनको वोट (यूपी विधानसभा चुनाव 2022) न दे, जिसको चाहे उसको वोट दे लो लेकिन इनको वोट न दो। टिकैत ने अपने संबोधन में स्पष्ट तौर पर भाजपा का नाम नहीं लिया बल्कि %इनको% शब्द का इस्तेमाल बार-बार करते हुए कहा कि इनकी गांव में तलाश की जा रही है। टिकैत ने 2022 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि सरकार को किसान सबक सिखाएंगे। हालिया संपन्न जिला पंचायत चुनावों पर उन्होंने कहा कि यह तो बंदूक की ताकत पर राज करना चाहते हैं। बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने हरियाणा में एक व्यक्ति जलकर हुई मौत के मामले में कहा कि यह दुखद घटना है, उसने आत्महत्या की है। उन्होंने एक वीडियो का जिक्र करते हुए कहा कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। राकेश टिकैत मेरठ के सिवाया टोल प्लाजा पर कृषि कानून के विरोध में चल रहे बीकेयू के धरने को संबोधित करने पहुंचे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर किसानों से संपर्क कर आंदोलन को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मेरठ के एक अस्पताल पर प्रशासनिक कार्रवाई न होने पर अस्पताल को बंद करवाने की चेतावनी दी। बता दें कि कृषि कानून के विरोध में सिवाया टोल प्लाजा पर पिछले 25 दिन से धरना चल रहा है। दरअसल टिकैत गाजीपुर बॉर्डर से छुर्रा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। समारोह से लौटते समय वो कुछ देर टोल प्लाजा पर रुके।

यूपी में कार्डधारकों को मिलेगा मुफ्त राशन 20 किलो गेहूं और 15 किलो चावल देगी योगी सरकार

नई दिल्ली (ए)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से तहत सभी अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को प्रदेश सरकार जून, जुलाई एवं अगस्त के महीने में मुफ्त राशन उपलब्ध कराएगी। योजना के तहत जून माह का वितरण रविवार से शुरू होकर 30 जून तक चलेगा। इसके अलावा अंत्योदय कार्डधारकों को जून माह में तीन किलोग्राम चीनी का वितरण 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से किया जाएगा। यह जानकारी प्रदेश के खाद्य आयुक्त मनीष चौहान ने दी। उन्होंने बताया कि वितरण की अंतिम तिथि 30 जून को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल ओटीपी वेरीफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न वितरण किया जा सकेगा।

पता नहीं कब रुकेगी महंगाई... सिलेण्डर के दाम 14 प्रतिशत बढ़ गए

दो साल में 20 प्रतिशत घटा दी घरेलू गैस सिलेण्डर पर सब्सिडी

भोपाल। महंगाई आवश्यक वस्तुओं को भी नहीं छोड़ रही है। घरेलू गैस सिलेण्डर जैसी सभी के लिए आवश्यक वस्तु भी लगातार महंगी होती जा रही है। सरकार ने दो साल में इस पर 14 प्रतिशत दाम बढ़ा दिए हैं। इसके विपरीत दी जाने वाली सब्सिडी 20 प्रतिशत कम कर दी है। इससे लोगों को एक सिलेण्डर पर मौजूदा कीमत से 34 प्रतिशत दाम ज्यादा चुकाना पड़ रहे हैं।

पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत पिछले 7 साल से लगातार बढ़ती जा रही है। पेट्रोल-डीजल के साथ-साथ रसोई गैस भी हर महीने महंगी हो रही है। इसका सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर पड़ रहा है। पिछले दो साल में घरेलू गैस सिलेण्डर 14 प्रतिशत महंगा हो गया है। लोगों का कहना है कि 15 दिसंबर 2019 तक घरेलू गैस सिलेण्डर की कीमत 750 रुपए 50 पैसे थी। इस पर 190 रुपए 43 पैसे सब्सिडी उपभोक्ताओं को मिल रही थी, जो कुल कीमत का 25.37 प्रतिशत थी। लोगों का कहना है कि वहीं अब यही गैस सिलेण्डर 869 रुपए में मिल रहा है। दो साल में इस पर 118 रुपए 50 पैसे की वृद्धि हुई है।

पहली बार आयकर और कॉरपोरेट टैक्स से ज्यादा कमाई पेट्रोल और डीजल से

अमीरों से ज्यादा गरीबों से टैक्स ले रही है सरकार

नई दिल्ली (ए)। आजादी के बाद से या कहें अंग्रेजों के समय भी सरकारें अमीरों से ज्यादा और गरीबों से कम से कम टैक्स वसूलती थीं। विदेशों में भी अमीरों पर सुपररिच टैक्स के पीछे भी गरीबों को राहत देने का फलसफा है। माना जाता है कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की आय दो वक्त की रोटी तक ही सीमित रहती है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से टैक्स वसूलने में इस वर्ग को सरकारों द्वारा रियायत दी जाती है। मगर मोदी सरकार ने अब इस धारणा को पूरी तरह से बदल दिया है। पिछले पांच साल में सरकार ने टैक्स वसूलने के जो नियम बनाये है, उसमें पूंजीपति ऐश कर रहे हैं। गरीबो मध्यम वर्ग टैक्स के बोझ से दबता जा रहा है। सबसे बड़ा उदाहरण पेट्रोल-डीजल है। यह ऐसा उत्पाद है, जो गरीब हो या अमीर दोनों को लेना पड़ता है। कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन की वजह से जब देश में ज्यादातर लोगों की आमदनी में घट रही थी, तब राहत देने की बजाय सरकार ने महंगे पेट्रोल-डीजल का बोझ डाल आम जनता पर डाल दिया। इसका नतीजा ये हुआ कि पहली बार सरकार को आयकर एवं कारपोरेट टेक्स से ज्यादा कमाई, पेट्रोल-डीजल पर लगाए गए टैक्स से हुई है। इसका बोझ आम जनता पर पड़ा है।

इस तरह से बढ़ी कमाईः आंकड़ों के मुताबिक आयकर के रूप में लोगों ने 4.69 लाख करोड़ रुपए भरे, जबकि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी और वैट के रूप में 5.25 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा चुकाने पड़े। वहीं, कंपनियों ने इस दौरान मात्र 4.57 लाख करोड़ रुपए कॉरपोरेट टैक्स भरा। पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज और वैट के अलावा आधा दर्जन से ज्यादा छोटे टैक्स, शुल्क व सेस लगते हैं, जो इससे अलग हैं।

पहली बार कॉरपोरेट से ज्यादा आयकरः वहीं,

इसी दौरान सरकारी खजाने में आयकर के रूप में 4.69 लाख करोड़ रुपए आए। जबकि कंपनियों ने कॉरपोरेट टैक्स के रूप में 4.57 लाख करोड़ रुपए ही जमा किए। वित्त वर्ष 2019-20 में पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज, वैट के रूप में 4.23 लाख करोड़ रुपए वसूले गए। आयकर 4.80 लाख करोड़ रुपए आया। जबकि कंपनियों ने सर्वाधिक 5.56 लाख करोड़ रुपए कॉरपोरेट टैक्स के रूप में भरा। खास बात यह है कि 2020-21 में पेट्रोल-डीजल की बिक्री इससे पहले के वर्ष से 10.50 फीसदी कम होने के बावजूद सरकार की टैक्स से कमाई बेतहाशा बढ़ी हुई है।

राज्यों से ज्यादा कमाई केंद्र कीः वित्त वर्ष 2020-21 में पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री से सरकार को 5.25 लाख करोड़ रुपए टैक्स मिला। इसमें केंद्र सरकार की ओर से वसूली गई एक्साइज ड्यूटी और राज्यों का वैट शामिल है। वैट का आंकड़ा सिर्फ दिसंबर तक का है। यानी मार्च तिमाही में राज्यों को हुई आमदनी इसमें शामिल नहीं है। 2014-15 में जहां सभी राज्यों का वैट एक करोड़ 37 हजार रुपए था, वह अब लगभग 2 लाख करोड़ होगा। दिसम्बर माह तक का आंकड़ा 1 करोड 35 हजार पर पहुंचा है। पिछले वर्ष की तुलना में 3 माह का आकड़ा 2 लाख करोड़ तक पहुंचेगा।

निम्न एवं मध्यम वर्ग पर टेक्स का बोझः माना जाता है कि गरीबों पर सरकार कोई टेक्स नहीं लगाती है। जीएसटी आने के बाद 18 से 28 फीसदी टेक्स गरीबों एवं मध्यमवर्गीय परिवारों से वसूला जा रहा है। शराब, बिड़ी सिगरेट इत्यादि पर पिछले 7 वर्षों में सबसे ज्यादा टेक्स बढ़ाया गया। पेट्रोल एवं डीजल पर भी इन्हीं 7 वर्षों में सबसे ज्यादा टेक्स आम जनता से वसूला जा रहा है। किसान-मजदूर, व्यापारी, नौकरी पेशा से जुड़े लोग ही सबसे ज्यादा टेक्स दे रहे हैं। महंगाई आसमान को छू रही है। गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की बचत खत्म हो गई। वह कर्जों में डूब गए हैं। वहीं अमीरों की दौलत दिन-दूनी और रात चौगनी की गति से बढ़ रही है।

वन-टू-वन

गंगा दशहरा के अवसर पर बजरंगबली का पूजन पर कोरोनावायरस से मुक्ति दिलाने की कामना की

अम्बाह। गंगा दशहरा के अवसर पर किला रोड स्थित बोर्डिंग वाले हनुमान जी मंदिर पर श्रद्धालुओं ने पहुंच कर पूजन-अर्चन किया इस अवसर पर हनुमान चालीसा व सुंदरकांड का पाठ करते हुए कोरोना से मुक्ति की कामना की एवं जगत का कल्याण करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर शर्बत और प्रसाद बांटा गया। सुबह पांच बजे बजरंगबली महाराज के पट खोलते हुए श्रद्धालुओं की मौजूदगी में आरती हुई। इसी के साथ पूजन-अर्चन के लिए भक्तों के पहुंचने का सिलसिला चालू हो जो देर शाम।

कृषक प्रशिक्षण एवं ऑक्सीजन प्लांट समारोह का किया आयोजन

मुरैना। केन्द्रीय कृषि, किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायती राज और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री एवं मुरैना-श्योपुर के सांसद नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा मॉडल विकासखंड पोरसा विकासखंड स्तरीय कृषक प्रशिक्षण भवन एवं ऑक्सीजन प्लांट समारोह ग्राम पंचायत सेंथरा अहीर में संजय निकुंज में सम्पन्न किया गया। जिसमें कलेक्टर बी. कार्तिकेयन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोशन कुमार सिंह और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोशन कुमार सिंह, महिला संकुल स्तरीय संघटन एवं समूह के माध्यम से वर्तमान में संचालित गतिविधियों के विषय मे चर्चा की गई। जिसमें वर्तमान समय मे समूह द्वारा संचालित गतिविधियां, जिसमे शहद निर्माण, मास्क निर्माण, गणवेश निर्माण, चप्पल निर्माण एवं नर्सरी कार्य पर चर्चा की गई। साथ ही शासन की प्राथमिक योजना कोविड-19 टीकाकरण महाअभियान 21 जून से प्रारम्भ होने वाले समारोह में समूह की महिलाओं को भी अहम भूमिका निभाने एवं लोगों को जागरूक करने की जिम्मेदारी संकुल संगठन एवं समूह की दीदियों को सौंपी गई है। साथ ही महिलाओं के प्रोत्साहन हेतु मास्क एवं शहद का भी क्रय किया गया। जिसमें जिला परियोजना प्रबंधक दिनेश तोमर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पोरसा ललित चौधरी कार्यक्रम को सफल बनाने में एनआरएलएम पोरसा सहायक ब्लॉक प्रबंधक कमलेश सेवर, रफीक खान, ब्लॉक प्रबंधक अम्बाह दिवाकर शर्मा आदि के द्वारा अपेक्षित सहयोग प्राप्त हुआ। पंचायतो में कार्य कर रही महिला सहक्ति शंकुल स्तरीय संघटन की अध्यक्ष श्रीमती मिथलेश तोमर एवं सचिव सोनाली तोमर का सहयोग रहा।

मानसून की दस्तकः बारिश के बाद उमस से मिली राहत

मुरैना। रविवार की शाम मानसून की दस्तक मुरैना जिले में हुई और पहली बारिश के बाद लोगों ने भीषण उमस भरी गर्मी से कुछ राहत पाई। बारिश को देख लोग सड़कों पर बारिश का आनंद लेने के लिए दौड़ पड़े, वहीं बच्चे पानी में अठखेलियां करते नजर आए। आधे घंटे की झमाझम बारिश के बाद शहर के गली मोहल्ले पानी से लबालब नजर आए और नगर निगम के दावों की पोल खोल कर रख दी। विदित हो कि 15 से 20 जून के बीच जिले में मानसून आने की संभावनाएं बताई जा रही थी और रविवार की दोपहर से ही आसमान में बादल छाने लगे थे, जो शाम 4 बजे अचानक बरसे तथा आधा घंटे झमाझम बारिश हुई। इस दौरान बारिश का आनंद लेने के लिए लोग सड़कों पर निकल आए और वाहनों से बारिश में भीगते देखे गए।

ऊर्जा मंत्री अचानक पहुंचे मुरैना, बिजली सप्लाई की जानी हकीकत

एक घर में पहुंचकर मांगा खाना और चबूतरे पर बैठकर किया भोजन

मुरैना। अपनी सरल सौम्य एवं सत्य कार्यप्रणाली के लिए चर्चित मध्य प्रदेश सरकार मैं प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर रविवार को अचानक मुरैना और अंबाह पहुंचे और इन क्षेत्रों में कई गांव का दौरा किया। उन्होंने मुरैना और अंबाह में लोगों से रूबरू होकर बिजली सप्लाई की हकीकत जानी और समस्याओं के बारे में भी लोगों से बातचीत की तथा विद्युत अधिकारियों को मौके पर बुलाकर विद्युत व्यवस्था सुधार के तत्काल निर्देश दिए।

श्री तोमर ने बिजली सप्लाई को लेकर जमीनी हकीकत जानने के लिए गांव के लोगों से बातचीत भी की। बिना मीटर एक ग्रामीण के यहां बिजली का बिल लगातार आने को भी उन्होंने गंभीरता से लिया और अधिकारियों को मौके पर ही निर्देशित किया कि वे वहां नया मीटर लगाएं और रीडिंग के अनुरूप ही बिल जारी करें तथा इस प्रकार की समस्या फिर से सामने ना आए। दिन भर उमस भरी गर्मी में जब वे मुरैना तहसील के घुसगंवा पहुंचे तो एक निर्धन परिवार वासुदेव नागर के यहां उन्होंने घर की महिला से कुछ खाने को मांगा। महिला ने आदर के साथ मंत्री को घर के अंदर भोजन कराने की गुजारिश की, लेकिन उन्होंने घर के बाहर ही चबूतरे पर बैठ कर खाना खाया। ऊर्जा मंत्री द्वारा चबूतरे पर बैठ कर खाना खाने की चर्चा गांव भर में होती रही और लोग उनकी तारीफ करते रहे। उन्होंने वासुदेव नागर के परिवार की आमदनी का जरिया और उनकी परेशानियों को भी समझा एवं मौके पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त परिवार को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं आए। वे मुरैना से अंबाह इलाके में जाते समय बड़ागांव चौराहे पर रुके, जहां उन्होंने दुकानदारों से बिजली सप्लाई को लेकर सवाल जवाब किए। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्हें बिजली मिल रही है, कभी कभार चली जाती है, लेकिन फिर आ भी जाती है। कुछ ग्रामीणों ने मंत्री तोमर को ट्रिपिंग की समस्या जरूर बताई, जिस पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे समय रहते ट्रिपिंग के लिए जिम्मेवार पेड़ की डालियां, झाड़ और पक्षी के घोंसलो को तुरंत हटाए। इस बारे में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि मुरैना में उनका काफी दिनों बाद आना हुआ है। यहां के लोगों से मिलना एक सुखद अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से मिलकर वास्तु स्थिति पता चलती है, इसलिए उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की है। निर्धन नागर परिवार के यहां भोजन करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें भूख लगी थी, कई दिनों बाद गांव की चौपाल पर भोजन का उन्होंने आनंद लिया है।

फोटो फाइल- 20 मुरैना 03, 04

खुद ही तोड़ रहे नियम और जनता को कर रहे परेशान

-पुलिस के चेकिंग अभियान में बिना हेलमेट वाले निशाने पर, हो रही अवैध वसूली

मुरैना। अभी जिले की जनता कोरोना आपदा से उबर नहीं पा रही है कि तब तक पुलिस महकमे द्वारा जनता को प्रताड़ित करने के लिए हेलमेट अभियान चला दिया गया है, जो अब लोगों के सब्र के बांध को तोड़ रहा है। गरीब एवं मध्यम वर्गीय लोग पहले से ही परेशान हैं और अब जब गाड़ी पटरी पर आ रही है तो पुलिस कर्मचारी फिर से लोगों को मानसिक एवं आर्थिक प्रताड़ना देने में लग गए हैं। पुलिस द्वारा हेलमेट के नाम पर की जा रही चेकिंग से लोगों में भारी गुस्सा देखा जा रहा है। पुलिस अधीक्षक को चाहिए कि ऐसे अभियानों को फिलहाल रोका जाए नहीं तो जनता आक्रोशित हो सकती है। कोरोना की दूसरी लहर के कारण पिछले डेढ़ महीने से भी अधिक समय से लोग काम धंधे से परेशान हैं और घर परिवार के तमाम बोझ गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों पर हैं। ऐसे में दोपहिया वाहनों से आवागमन करना उनकी मजबूरी है, पर इस मजबूरी का पुलिस महकमा बखूबी फायदा उठा रहा है। रविवार को शादी समारोह के चलते बड़ी संख्या में जिले भर में लोगों का आवागमन दुपहिया वाहनों से हो रहा है, ऐसे में पुलिस महकमे द्वारा बेरियल चौराहा एवं फाटक बाहर इलाके में चेकिंग अभियान लगाकर हेलमेट न लगाने का कारण पूछा जा रहा है तथा अवैध वसूली की जा रही है। एक और पुलिस कर्मचारी एवं अन्य शासकीय कर्मचारी बिना हेलमेट के सड़कों पर दौड़ रहे हैं तो वहीं आम जनता को हेलमेट के लिए बाध्य कर रहे हैं। अभी कोरोना आपदा से लोग उबर नहीं पाए हैं, उस पर से पुलिस द्वारा आम जनता को फिर से आर्थिक शिकस्त देने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस विभाग की यह कार्यवाही आमजन मैं महकमें के प्रति नाराजगी व्याप्त कर रही है। जानकारी के अनुसार रविवार 20 जून को जिले भर में बड़ी संख्या में शादी समारोह आयोजित हो रहे हैं, जिसके चलते अधिकांश लोग एक जगह से दूसरी जगह दो पहिया वाहनों से आवागमन कर रहे हैं, ऐसे में पुलिस द्वारा चेकिंग लगाकर लोगों से हेलमेट सहित अन्य दस्तावेज के लिए रोक कर पूछताछ की जा रही है तथा कमी मिलने पर उनसे जुर्माना भी वसूला जा रहा है। साथ ही तमाम वाहन चालकों को ले - देकर छोड़ दिया जा रहा है, जब कि पुलिसकर्मी, शासकीय कर्मचारी एवं सिफारिश रखने वाले लोग इस चेकिंग से साफ बच निकल रहे हैं। पुलिस अधीक्षक को चाहिए कि ऐसे अभियानों को अभी फिलहाल स्थगित किया जाना चाहिए, क्योंकि लोग पहले से ही दो बार की कोरोना लहर के कारण आर्थिक रूप से टूट चुके हैं। अब कहीं उनके सब्र का बांध ना टूट जाए और पुलिस महकमे के लिए परेशानी का सबब ना बन जाए।

कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई रहे बरकरार इसलिए वितरित की शैक्षणिक सामग्री

अम्बाह। युवा समाजसेवी एवं किसान कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रामू प्रजापति द्वारा नगर की पिछड़ी बस्तियों में जाकर बच्चों को शैक्षणिक सामग्री भेंट की गई रामू प्रजापति ने बताया कि कोरोना काल के चलते पिछले वर्ष से ही बच्चों की पढ़ाई बंद है ऐसी स्थिति में उनका अध्ययन बरकरार बना रहे इसलिए उनको किताबों सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री भेंट की साथ ही बच्चो को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया इस दौरान शिक्षक पंकज प्रजापति द्वारा बच्चो को नवोदय और सैनिक स्कूल के बारे में जानकारी दी गई शिक्षक अनिल गोले द्वारा बच्चो को प?ने के लिये प्रोत्साहित किया गया इस अवसर पर रवि गोले,अजीत प्रजापति, विष्णु चक्रवर्ती, सुरजीत प्रजापति, सूरज प्रजापति, सौरभ गहलोत ,मोहित प्रजापति, राजू प्रजापति आदि लोग उपस्थित थे।

शत प्रतिशत वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान में द्वार द्वार दस्तक दे रहे हैं समाजसेवी, डॉक्टर और प्रशासनिक अधिकारी

पहले दिन नगर में 965 घरों तक पहुंचे पीले चावल

अम्बाह। नगर को कोरोनावायरस से मुक्त करने के लिए शत प्रतिशत वैक्सीन लगाने के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु व्यापक जागरूकता अभियान का शुभारंभ आज वार्ड 18 तालाब रोड से हुआ। कोरोना की महामारी से नगरवासियों को मुक्त रखने के लिए शुरू किए गए व्यापक जागरूकता अभियान मैं द्वार द्वार तक अंचल के वरिष्ठ समाजसेवी चिकित्सक और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच रहे हैं।

21 जून से चलने वाले वैक्सीनेशन महा अभियान के लिए आज वार्ड 18 वार्ड 1 वार्ड 2 और वार्ड 3 में जागरूकता अभियान शुरू किया गया। प्रातः 8 बजे वार्ड 18 मैं तालाब रोड पर चिकित्सालय प्रभारी डॉ डीएस यादव, सीएमओ रामनिवास शर्मा, बीआरसी बिंदुसार सिंह तोमर और मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर समाजसेवी डॉक्टर सुधीर आचार्य, क्रीड़ा भारतीय के प्रांतीय पदाधिकारी अरविंद मावई, एवं आर्ट ऑफ लिविंग के योग प्रशिक्षक पंडित बालकृष्ण शर्मा और रोटरी क्लब के अध्यक्ष अंकित मिश्रा, ने संयुक्त रूप से किया।

जागरूकता अभियान के अंतर्गत हर दरवाजे पर दस्तक देकर लोगों को बुलाया गया और उन्हें आवश्यक समझाइश दी गई तथा वैक्सीनेशन के लिए प्रोत्साहित किया गया। अभियान के पहले दिन

वार्डअड्डारह, वार्ड एक और दो में 965 घरों तक वैक्सीन लगवाने हेतु पीले चावल पहुंचाए गए। वैक्सीनेशन से जुड़ी भ्रांतियों को विवाह दूर किया; जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत नागरिकों के द्वारा वैक्सीनेशन को लेकर तरह-तरह की भ्रांतियों से संबंधित सवालों का जवाब डॉ बीएस यादव ने दिया और उनकी भ्रांतियां दूर की। तीसरी लहर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन जरूरी; माइक से लगातार जागरूक कर रहे समाजसेवी डॉ सुधीर आचार्य ने हर गली गली में पहुंचकर लोगों को समझाया की तीसरी लहर की आशंका निराधार नहीं है अगर पीस कोरोना की तीसरी लहर से बचना है तो शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन कराएं। डॉ आचार्य ने नारा दिया लगवाएं कोरोना वैक्सीन के दो डोज, घर में खुशहाली रहेगी हर रोज।

अंबाह में रविवार बंद का नहीं दिखा असर

प्रशासन के नियमों का नहीं हो रहा है पालन

अंबाह। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन ने साप्ताहिक बंदी यानी रविवार बंद का ऐलान किया हैद्य इसके बावजूद भी बाजार में काफी दुकानें खुली रही और चहल-पहल बनी रही। लोग बगैर मास्क के घूम रहे थे। लोगों में प्रशासन का कोई खौफ नजर नहीं आ रहा था। कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन ने साप्ताहिक बंदी यानी रविवार बंद का ऐलान किया है। रविवार सुबह से ही बाजारों में बंद का कोई असर नहीं देखा गया और न हीं कोविड गाइडलाइन को लेकर बाजार में लोग गंभीर दिखे। लोग अकारण और अनावश्यक घूमते हुए दिखाई दिए। मास्क नहीं पहनने के साथ सामाजिक दूरियों का पालन भी नहीं किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार बाजार में भीड़ लगाने व दुकान खोलने के बावजूद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। और वहां सोशल डिस्टेंसिंग और अन्य नियमों को लेकर भी प्रशासन के आला अधिकारियो की ओर से कोई गंभीरता दिखाई नहीं दी। आपको बता दें लोगों की इस लापरवाही के कारण कोरोना संक्रमण बढ़ने की चिंता भी बढ़ रही है।

नहीं समझ पा रहे है महामारी के खतरे को

प्रशासन कई बार इन लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की, मास्क लगाने की अपील कर चुका है। लेकिन यह लोग इस महामारी के खतरे को समझ नहीं पा रहे है। इस दौरान यहां जमकर सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई जा रही है। फिलहाल प्रशासनिक अधिकारी इस पर रोकथाम के लिए विचार विमर्श कर रहे है। जल्द ही इस पर रोक लगाने के लिए प्रशासनिक कार्रवाही अमल में लाई जाएगी।

जेसीआई ने कराया महिलाओं एवं लड़कियों का स्वास्थ्य परीक्षण

मुरैना। जेसीआई मुरैना जागृति द्वारा बड़ोखर स्थित स्वाधार गृह में हाइजीन एंड अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस प्रोग्राम में मुरैना की फेमस गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ रितु राठी द्वारा स्वाधार गृह में स्थित महिलाओं और लड़कियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उनका ब्लड प्रेशर तथा ऑक्सीजन लेवल भी चेक किया गया तथा उन्हें उनकी बीमारियों से संबंधित, स्वास्थ्य संबंधित, साफ सफाई से संबंधित जानकारी दी गई तथा उनकी आवश्यकता अनुसार उन्हें दवाइयों का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सैनिटरी पैड तथा बच्चों को फल व बिस्किट का वितरण किया गया। डॉ रितु राठी ने महिलाओं, लड़कियों को वैक्सीनेशन करवाने हेतु जागरूक किया। जेसीआई की सदस्यों ने उन महिलाओं की समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि वे समय-समय पर उनकी सहायता करेंगी और उनका निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण आगे भी होता रहेगा। इस पूरे कार्यक्रम की संयोजिका पास्ट प्रेसिडेंट जेसी नीलम अग्रवाल रही। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष मधु सिंघल, सचिव मधु सिंह, कोषाध्यक्ष ज्योति मोदी के अतिरिक्त निधि गुप्ता, हेमलता मोदी, नीतू भारद्वाज, राखी यादव आदि उपस्थित रही।

पिछड़ी बस्तियों में तरबूज वितरित कर रोटरी क्लब ने मनाया गंगा दशहरा

अम्बाह। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अंकित मिश्रा ने अपने पदाधिकारियों के साथ मिलकर बीआरसी बिंदुसार सिंह के मुख्य आतिथ्य में गंगा दशहरा के अवसर पर पिछड़ी बस्तियों में जाकर हर वर्ग को तरबूज भेंट किए और साथ ही साथ कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित भी किया इस मौके पर बच्चों को मास्क भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीआरसी बिंदुसार सिंह तोमर ने उपस्थित जनों को गंगा दशहरा के महत्व की जानकारी दी और घर परिवार अड़ोस पड़ोस सगे संबंधियों को स्वस्थ रखने के लिए कोरोना वैक्सीन लगवाने की आवश्यकता पर जोर दिया साथ ही कहा कि अभी कोरोना गया नहीं है इसलिए बिना मास्क के घर से ना निकले। रोटरी अध्यक्ष अंकित मिश्रा ने बताया कि रोटरी क्लब द्वारा नगर के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों में भी सप्ताह बाद वैक्सीनेशन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा अभी 5 दिन शहर के विभिन्न भागों में रोटरी क्लब के पदाधिकारी या अभियान चलाएंगे और उसके साथ ही ग्रामीण अंचलों में भी रोटरी व्हेन भेजकर जागरूकता कार्यक्रम चलेगा।इस अवसर पर रोटरी क्लब के उपाध्यक्ष विवेक सिंह सह सचिव ब्रजकिशोर गुरजवार, डॉ प्रमोद शर्मा, हरीश तोमर, लाल बहादुर शर्मा, कमल किशोर शर्मा,प्रमोद कुमार, अरविंद मावई, सुधीर आचार्य, गिरेन्द्र कुशवाह, केदारनाथ शर्मा आदि उपस्थित थे।

आज से शुरू होगा कोविड वैक्सीनेशन महाअभियान जिले के 176 टीकाकरण स्थल चिन्हित सात दिवस में 1.02 लाख को टीकाकरण का लक्ष्य

शिवपुरी। पूरे प्रदेश में योग दिवस 21 जून आज से कोविड-19 वैक्सीनेशन महाअभियान शुरू किया जा रहा है यह अभियान 30 जून तक चलेगा। जिले में इस महाअभियान के तहत 1लाख 2 ह?ार 300 लोगों को कोविड वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वैक्सीनेशन महाअभियान के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां की जा रही है। आज से यह अभियान शुरू हो रहा है।जिले में वैक्सीनेशन के लिए 176 स्थल चिन्हित किए गए हैं जहां नागरिकों को कोविड-19 टीका लगाया जाएगा। कोविड से बचाव के लिए वैक्सीन ही सुरक्षा कवच है। इसलिए सभी को वैक्सीन लगना बहुत जरूरी है। इसके लिए जिला प्रशासन भी पूरे प्रयास कर रहा है जिससे कि लोगों को जागरूक किया जा सके और इस महाअभियान के द्वारा अधिक से अधिक वैक्सीनेशन कराया जा सके।शिवपुरी कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए वैक्सीनेशन अभियान को एक जनअभियान बनाने के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने वैक्सीनेशन स्थल पर सभी तैयारियां करने, नागरिकों के लिए बैठक व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं! इन केंद्रों पर बीएलओ, रोजगार सहायक, आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर द्वारा इनकी निगरानी की जाएगी। सेक्टर और जोनल ऑफिसर द्वारा निगरानी की जाएगी। जिला स्तरीय और विकासखंड स्तरीय कंट्रोल रूम के माध्यम से निगरानी की जाएगी।

वृद्धजन और दिव्यांगजनों के लिए व्यवस्था

80 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजन एवं दिव्यांगजनों को वैक्सीनेशन सेंटर तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यवस्था की गई है। टीकाकरण में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो इसलिए जो किसी कारणवश वैक्सीनेशन केंद्र तक नहीं पहुंच पा रहे हैं उन्हें सचिव, रोजगार सहायक की टीम द्वारा वैक्सीनेशन केंद्र तक लाया जाएगा। पिंक वैक्सीनेशन सेंटर प्रत्येक अनुविभाग में पिंक वैक्सीनेशन सेंटर बनाए गए हैं जिले में कुल 5 पिंक वैक्सीनेशन सेंटर में शिवपुरी शहर में वार्ड क्रमांक 27 फिजिकल रोड पर आंगनवाड़ी केंद्र, कोलारस में एक्सीलेंस स्कूल मानीपुरा, करैरा में वार्ड क्रमांक 15 आंगनवाड़ी केंद्र, पिछोर में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और पोहरी में वार्ड 4 कृष्णगंज में शासकीय माध्यमिक विद्यालय तैयार किए गए हैं जो महिलाओं द्वारा संचालित किए जाएंगे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली 3-3 टीम होंगी पुरस्कृत

वैक्सीनेशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली टीम को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें तीन तीन टीमों का चयन किया जाएगा। प्रत्येक विकास खंड से ग्रामीण एवं नगरीय निकायों से 3-3 टीम चिन्हित की जाएगी, जिसमें प्रथम टीम को 5100 रुपये, द्वितीय को 3100 एवं तृतीय टीम को 2100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

वैक्सीन प्रेरक कर रहे हैं प्रेरित

वैक्सीनेशन के लिए 'वैक्सीन प्रेरक' लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। इसमें मंत्रीगण, विधायकगण, अन्य जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, समाजसेवी, धर्मगुरु, खिलाड़ी, योगगुरु, शिक्षाविद, मीडिया जगत के प्रबुद्ध जन, सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी एवं जनपद और ग्राम व वार्ड स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट समूह के सदस्य आदि %वैक्सीन प्रेरक% के रूप में लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। ताकि सभी को इस अभियान से जोड़ा जा सके और इस अभियान को सफल बनाया जा सके।

डेल्टा प्लस से मौतों को नकारा जीनोम टेस्ट रिपोर्ट में हुई डेल्टा वेरिएंट से शिवपुरी में 3 मौतों की पुष्टि

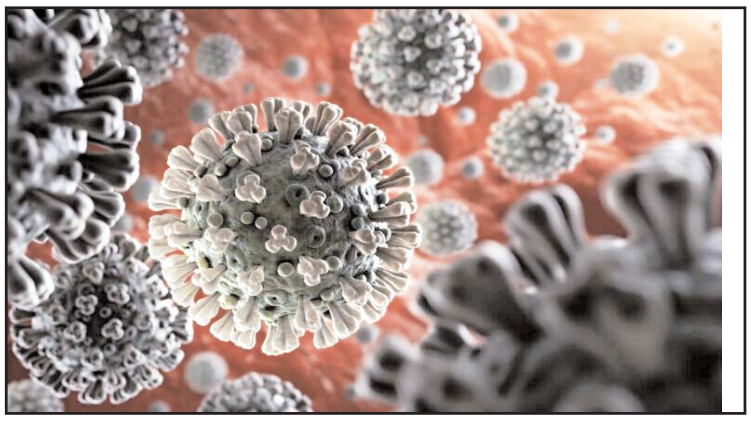

6 सैंपल की जीनोम जांच में 4 लोगों में हुई डेल्टा वैरियंट की पुष्टि, जिनमें से 3 की मौत आधा दर्जन लोगों की जीनोम सैंपल जांच के बाद हुआ डेल्टा वैरियंट का हुआ खुलासा

शिवपुरी। जिले में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान 3 लोगों की मौत की बजह डेल्टा वैरिएंट रहा है।इस आशय का खुलासा आधा दर्जन कोरोना संक्रमितों के सैंपल जीनोम टेस्ट के लिए भेजने के बाद वहां से आई जांच रिपोर्ट के बाद हुआ है। इन 6 लोगों में से जांच के बाद 4 लोगों में डेल्टा वैरियंट की पुष्टि हुई है, इनमें से भी तीन की मौत की इसी डेल्टा वैरियंट के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि जिस प्रेमनारायण द्विवेदी की मौत इस वैरियंट से होना बताया हैं वह गलत है। प्रेमनारायण द्विवेदी खनियांधाना निवासी हैं और वे कोरोना के इस वैरियंट को हरा कर पूर्णत: स्वस्थ्य है। उक्ताशय की जानकारी सीएमएचओ डॉ एएल शर्मा ने देते हुए बताया कि अभी तक डेल्टा प्लस की कोई पुष्टि नहीं हुई है। जिन लोगों के सैंपल में डेल्टा वैरीअंट पाया गया उनमें खनियांधाना निवासी प्रेम नारायण द्विवेदी, शिक्षक सुरेंद्र शर्मा निवासी पिछोर, विनय चतुर्वेदी उर्फ मोनू पुत्र रमेश चतुर्वेदी निवासी फि जिकल रोड शिवपुरी तथा सूरजपाल निवासी शिवपुरी शामिल हैं। इनमें से प्रेमनारायण द्विवेदी तो कोरोना को हरा कर अभी स्वस्थ्य हैं, जबकि शेष तीन की मौत हो गई है। साथ ही बताया कि जिन चार लोगों में डेल्टा वैरियंट की पुष्टि हुई है, उनमें से किसी को वैक्सीन नहीं लगा था। एकाएक हालत बिगडऩे से इन तीन लोगों की मौत हो गई जबकि मौत से चंद घंटे पूर्व यह लोग सामान्य नजर आ रहे थे, जिसके चलते 6 लोगों के सेंपल जीनोम टेस्ट के लिए भेजे गए थे। डॉ शर्मा के अनुसार सैंपल जीनोम जांच के लिए दिल्ली के नेशनल सेंटर ऑफ डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) भेजा गया, जहां से करीब 20 दिन पहले इसकी रिपोर्ट यहां प्राप्त हुई है। डॉक्टर अर्जुन लाल शर्मा का कहना है कि कोरोना का यह डेल्टा बैरियंट है न कि डेल्टा प्लस वेरिएंट। उल्लेखनीय है कि यहां यह बात प्रचारित हो रही थी कि चार लोग जो वैक्सीनेटेड थे उनकी मौत कोरोना के डेल्टा प्लस वैरियंट से हुई जबकि सीएमएचओ का कहना है कि डेल्टा प्लस वैरियंट का कोई केस यहां फिलहाल तक सामने नहीं आया है जो सामने आया वह डेल्टा वैरियंट है जिससे 6 सेम्पल में से 4 में डेल्टा वैरियंट की पुष्टि हुई और इनमें से भी 3 की मौत हुई है एक स्वस्थ्य है।

वैक्सीनेशन महा अभियान को सफल बनाने हेतु निकाली गई रैलियां

रैली के माध्यम से दिया जा रहा है टीका लगाने का संदेश

श्योपुर। श्योपुर कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में 21 जून को विश्व योग दिवस पर आयोजित होने वाले वैक्सीनेशन महा अभियान को सफल बनाने के लिये जिला प्रशासन के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग एवं नगरीय निकाय और ग्रामीण विकास विभाग तथा जन अभियान परिषद, आजीविका मिशन और अन्य विभागो के सहयोग से श्योपुर शहर के अलावा बडौदा, कराहल, विजयपुर, वीरपुर और 81 टीकाकरण केन्द्रो के क्षेत्र में टीका लगवाने का संदेश पहुंचाने के लिए रैलियां का आयोजन किया गया है।सीएमएचओ डॉ बीएल यादव के नेतृत्व में श्योपुर शहर के क्षेत्र में 05 ओर से रैलियां निकालने का आयोजन किया गया है। इर रैलियो के माध्यम से श्योपुर की पूरी आबादी में 21 जून से प्रातः 10 बजे से 10 टीकाकरण केन्द्रो पर वैक्सीन लगवाने का संदेश पहुंचाने के प्रयास किये गये है। इसी प्रकार श्योपुर एसडीएम विनोद सिंह, कराहल विजेन्द्र सिंह यादव, विजयपुर नीरज शर्मा, तहसीलदार बडौदा भरत नायक, वीरपुर वीरसिह आवासिया के निर्देशन में जन जागरूकता रैली निकाली जाकर टीकाकरण से छूटे हुए व्यक्तियों को टीकाकरण केन्द्रो पर टीका लगवाने का संदेश पहुंचाने के प्रयास किये गये है। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग एवं नगरीय निकाय और ग्रामीण विकास विभाग तथा जन अभियान परिषद, आजीविका मिशन और अन्य विभागों के सहयोग से 21 जून को प्रातः 10-00 बजे से प्रारंभ हो रहे टीकाकरण महाअभियान के बारे में जन जागरूकता लाने के प्रयास अपने-अपने स्तर से किये गये है। इसके अलावा जिले के समस्त विकासखंडों में जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से नागरिकों में टीका लगाने की प्रेरणा मिल रही है। इसी प्रकार जिले में निकाली गई रैलियो के माध्यम से नारो के माध्यम से भी टीका लगवाने का संदेश दिया गया है।

हमने तो करा लिया क्या अपने भी कराया हैं नही कराया तो अवश्य करायें

परिवार की ओर से सभी देश, एवं प्रदेश वासियों से अपील की जाती हैं कि आज महावेक्सीनेशन अभियान के तहत अपना वेक्सिनेशन अवश्य कराये एवं कोरोना नियमो का पालन अवस्य करे। कोरोना संक्रमण की सुरक्षा के लिए वैक्सीन ही जीवन है

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस परिवार

कैबीनेट मंत्री के जन्मदिन पर मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के द्वारा ऑक्सीजन रूपी पौधों का किया भेंट वैक्सीनेशन के 14वें दिन 230 लोगों को लगा कोरोना का टीका

शिवपुरी। मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के द्वारा शिवपुरी विधायक एवं मध्यप्रदेश सरकार की कैबीनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के जन्मदिन पर स्थानीय मध्यदेशीय अग्रवाल धर्मशाला परिसर मे आयोजित नियमित कोरोना टीकाकरण में आए हुए लोगों को ऑक्सीजन रूपी तुलसी का पौधा भेंट किया गया। इस अवसर पर मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के अध्यक्ष गौरव सिंघल ने बताया कि कोरोन काल में जिस प्रकार से व्यक्ति को मशीन रूपी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की आवश्यकता हो रही थी तब इन हालातों में भी लोगों ने कैबीनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के आह्वान पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन दान की गई थी लेकिन अब जब हालात सामान्य हो गए है तब इन हालातो में व्यक्ति मशीनों पर आश्रित ना होकर प्राकृतिक पर्यावरण को सहेजे इसे लेकर प्रदेश की यशस्वी कैबीनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के जन्मदिन पर मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के द्वारा प्रत्येक कोरोना वैक्सीनेशन कराने आए लोगों को एक-एक ऑक्सीजन रूपी तुलसी का पौधा भेंट किया गया ताकि वह घर पर ही इन पौधों को लेकर प्राकृतिक पर्यावरण में ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए इस पौधे को ना केवल ऑक्सीजन बल्कि घर में पूज्य तुलसी के रूप में भी उपयोग कर सके। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ए.एल.शर्मा भी यहां पहुंचे जिन्होंने आए हुए वैक्सीनेशन कराने वाले लोगों को तुलसी का पौधा भेंट किया। कैबीनेट मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के जन्मदिन के अवसर पर आज मध्यदेशीय अग्रवाल धर्मशाला में लगाए गए नियमित कोरोना टीकाकरण शिविर में 230 लोगों को कोरोना का टीका लगाया इस तरह अब तक 14 दिनों में 4154 लोगों को कोरोना टीकाकरण कराकर उनकी कोरोना संक्रमण से बचाव करते हुए सुरक्षा प्रदाय की गई है। इस दौरान एएनएम फूलवती धाकड़, रोशनी परमार, किरण डेहरवारा व सुनील कुशवाह ने टीकाकरण कार्य में योगदान दिया तो वहीं वालंटियर के रूप में सक्षम गोयल, छुट्टन, जुगलकिशोर शर्मा आदि ने भी अपना योगदान दिया।

कोरोना टीकाकरण महा अभियान को सफल बनाने में मीडिया की अहम भूमिका- सीएमएचओ श्योपुर जिले में टीकारण महा अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण

श्योपुर। श्योपुर कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में 21 जून से प्रारंभ हो रहे कोरोना टीकाकरण महा अभियान को सफल बनाने की दिशा में सीएमएचओ कार्यालय श्योपुर पर रविवार को प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेसवार्ता में सीएमएचओ डॉ बीएल यादव ने कहा कि कोरोना टीकाकरण महाअभियान को सफल बनाने में मीडिया की अहम भूमिका है। जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ऐसे व्यक्ति जो वैक्सीन लगाने से छूट गये है। उनको टीका लगाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। प्रेसवार्ता के दौरान सहायक संचालक जनसंपर्क जेपी राठौर, डीआईओ प्रेमराज मीणा, मीडिया अधिकारी आरबी शाक्य एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के ब्यूरो प्रमुख एवं जिला प्रतिनिधि उपस्थित थे।सीएमएचओ डॉ बीएल यादव ने कहा कि इस अभियान की मंशा दूर-दराज के लोगों तक पहुंचाने के लिए मीडिया का रोल महत्वपूर्ण है। जिससे 21 जून 2021 को प्रातः 10-00 बजे से श्योपुर जिले के 81 केन्द्रो पर आयोजित होने वाले टीकाकरण महाअभियान की जानकारी पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि, इस महाअभियान के टीकाकरण शुभारंभ को प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक, सोशल मीडिया एवं अन्य प्लेटफार्मो के माध्यम से शत प्रतिशत टीकाकरण करने में मदद मिलेगी। प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए सीएमएचओ डॉ बीएल यादव ने कहा कि श्योपुर जिले में 21 जून से 20 जून 2021 तक 81 टीकाकरण केन्द्रो पर ऐसे व्यक्ति जिन्होने कोरोना का टीका नही लगाया है। वे अपना आधारकार्ड लेकर पहुंचकर कोरोना की लडाई में सुरक्षा कवच पहनने में लिए टीका अवश्य लगवावे। उन्होने कहा कि श्योपुर शहरी क्षेत्र में 10, कराहल ब्लॉक के क्षेत्र में 15, विजयपुर के अंतर्गत 23, बडौदा के इलाके में 33 टीकाकरण केन्द्र पर वैक्सीन लगाने की सुविधा सोमवार, बुधवार, गुरूवार, शुक्रवार, शनिवार को सुनिश्चित की गई है। उन्होने कहा कि अभियान के प्रारंभ में 21 जून को 09 हजार टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होने कहा कि टीकाकरण महाअभियान के अंतर्गत जिले में रैली निकाली जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में हुआ स्तन कैंसर का सफल ऑपरेशन, अब कैंसर पीड़ति मरीजों को इलाज के लिए नही जाना पड़ेगा कही और

शिवपुरी। मेडिकल कॉलेज खुलने के साथ ही कैंसर मरीजों को इलाज की सुविधा शिवपुरी जिले में ही मिलने लगी है। कॉलेज खुलने के बाद महिला के स्तन कैंसर का पहला सफल ऑपरेशन हुआ है। मेडिकल कॉलेज शिवपुरी के डॉक्टर सौरभ चौहान ने पहली बार शिवपुरी में ही स्तन कैंसर का ऑपरेशन किया है। कैंसर पीड़ति मरीजों को इलाज के लिए ग्वालियर अथवा किसी अन्य महानगर के अस्पतालों में जाने की जरूरत नहीं प?गी।महिला रतना यादव उम्र 46 साल को दायें स्तन में 3 गुणा 4 सेंटीमीटर की गांठ प? गई थी। मूलत- सागर की रहने वाली रतना यादव कोरोना संक्रमण के बावजूद मई में इलाज कराने शिवपुरी आई। मेडिकल कॉलेज शिवपुरी के सर्जन विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर सौरभ सिंह चौहान ने परीक्षण किया और छोटा ऑपरेशन करके गांठ निकाल दी। फिर कैंसर की संभावना के चलते जांच कराई। दिल्ली से सात दिन बाद जांच रिपोर्ट में स्तन कैंसर निकला। इसके बाद ब? ऑपरेशन की तैयार शुरू कर दी। स्तन कैंसर का सफल ऑपरेशन हो गया। एक महीने मरीज को निगरानी में रखा और आज रचना यादव स्वस्थ हैं। एक कीमोथैरेपी भी हो गई है।

कांख तक फैल गया था कैंसर

जांच रिपोर्ट में स्तन कैंसर की पुष्टि होने के बाद सीटी स्कैन और सोनोग्राफी कराई, ताकि पता चल सके कि शरीर में कैंसर कहां-कहां तक फैल चुका है। लीवर, रीड की हड्डी आदि की जांच के बाद ऑपरेशन शुरू किया। स्तन कैंसर कांख तक फैल चुका था, जिसमें छोटी-छोटी गठानें प? गई थीं। कैंसर की सारी निकालीं। लेवल टू पर जाकर स्तन कैंसर का ऑपरेशन किया है। ऑपरेशन में 4-30 घंटे का वक्त लगा।

पहली बार स्तन कैंसर का सफल ऑपरेशन किया है

सागर की रहने वाली महिला शिवपुरी में हमारे यहां इलाज कराने आई थी। छोटा ऑपरेशन करके गांठ निकालकर जांच के लिए दिल्ली भेजी तो स्तन कैंसर पाया गया। इसके बाद स्तन कैंसर का ऑपरेशन किया। ऑपरेशन सफल रहा और लगभग एक महीना होने जा रहा है, मरीज बिल्कुल स्वस्थ है। जिले में यदि कैंसर जैसी शिकायत है तो जांच कराएं, शिवपुरी में ही ऑपरेशन करेंगे।

चीन की साइबर चाल

भारत के खिलाफ लगातार साजिश रचने वाला चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। चीनी सेना ने भारतीय दूरसंचार कंपनियों, सरकारी एजेंसियों और रक्षा सेक्टर समेत अन्य सेक्टरों को निशाना बना रहा है। बताया जा रहा है इन चीनी हमलों में एनटीपीसी के प्लांट्स भी शामिल थे। एक साइबर इंटेलिजेंस कंपनी ने जनकारी साझा की है। अमेरिकी रिपोर्ट में चीन के इस साजिश के पुख्ता सबूत मिले हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चीन का यह अभियान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक विशिष्ट इकाई से जुड़ा था। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय के तहत आने वाले रिकॉर्डेड फ्यूचर की ओर से इसका खुलासा हुआ, जिसने इस साल की शुरुआत में बिजली और बंदरगाह क्षेत्रों में भारत के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निरंतर करने वाले सिस्टमों पर चीनी साइबर निशाना बनाए हुए था। इसी साल मार्च में उजागर हुई इस यूनिट को रेडइको कहा गया, जबकि नए समूह की पहचान रेडफॉक्सस्ट्रोट के रूप में हुई है। रिकॉर्डेड फ्यूचर के इंसिक्ट ग्रुप ने संदिग्ध चीनी सरकार द्वारा प्रायोजित समूह के रूप में पहचान की गई है। चीन की ओर से यह हरकत उस वक्त शुरू हुई जब पिछले साल भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर दोनों सेना आमने-सामने थीं। लद्दाख में भारतीय और चीनी सेना के बीच झड़प हुई थी। एक अलग ब्लॉग पोस्ट में रिकॉर्डेड फ्यूचर ने कहा कि ये निष्कर्ष नेटवर्क ट्रैफिक के विश्लेषण, हमलावरों द्वारा उपयोग किए गए मैलवेयर के फुटप्रिंट, डोमेन रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड और संभावित लक्ष्यों से डेटा ट्रांसमिसिंग करने पर आधारित थे। भारत में इस तरह के साइबर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। एक आंकड़ा तो एडवर्ड स्नोडेन ने ही मुहैया कराया था। मार्च 2013 में स्नोडेन ने बताया था कि बाहर बैठे सेंधमारों ने भारतीयों की 6.3 अरब खुफिया सूचनाओं तक पहुंच बना ली थी। हालत यह है कि हमारे प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर रक्षा व विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावासों, मिसाइल प्रणालियों, एनआइसी, यहां तक खुफिया एजेंसी-सीबीआई के कंप्यूटरों पर भी साइबर हमले कर जासूसी हो चुकी है। साइबर स्पेस के खतरों की बात अब काल्पनिक नहीं है। वर्चुअल आतंक, सेंधमारी और सैन्य व आर्थिक महत्व की सूचनाओं के लीक होने जैसी घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि सूचनाओं के इलेक्ट्रॉनिक संजाल में घुसपैठ की रोकथाम के पुख्ता प्रबंध नहीं करने का खमियाजा दुनिया की कई सरकारों को भी उठाना पड़ सकता है। पुलवामा हमले के बाद खबर मिली थी कि पाक हैकरों ने भारत सरकार से जुड़ी कम से कम नब्बे वेबसाइटों को हैक कर लिया है। इनमें खासतौर से वित्तीय संचालन और पावर ग्रिड से जुड़ी वेबसाइटें हैकरों के निशाने पर थीं। साइबर कहें या वर्चुअल (आभासी) जंग, असल में अब इसका खतरा वास्तविक है। मामला भारत, पाकिस्तान या चीन तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें महाशक्तियां शामिल हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में कई पश्चिमी देशों ने रूस के सैन्य खुफिया विभाग पर दुनियाभर में कई साइबर हमले करने के आरोप लगाए थे। हालांकि रूस ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा था कि कुछ पश्चिमी देश उसे योजनाबद्ध तरीके से फैलाए जा रहे दुष्प्रचार में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं।

(अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष) कोरोना से मुक्ति दिलाएगा भारतीय योग

डॉ. वंदना सेन

वर्तमान में कोरोना संकट वैश्विक महामारी का रूप लेकर हम सभी को भयाक्रांत कर रहा है। यह सर्वविदित है कि कोई भी संक्रामक विषाणु उस शरीर को बहुत ज्यादा प्रभावित करते हैं, जो शारीरिक व्याधियों से ग्रसित होते हैं। यही व्याधियां शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को हानि पहुंचाती हैं। हालांकि सनातन काल से यह सर्वसिद्ध है कि व्यवस्थित योग क्रिया के माध्यम से शरीर को पुष्ट किया जा सकता है। इसमें आहार भी बहुत हद तक इस प्रक्रिया में सहायक होता है। हम योग और उचित आहार के माध्यम से भी कोरोना पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। भारत के बारे में विश्व के अनेक देश यह स्वीकार करने लगे हैं कि भारत के व्यक्तियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत अच्छी है। इसके पीछे का एक मात्र कारण योग और भारतीय खानपान ही है।

वर्तमान में विश्व में जितनी भी ज्ञान और विज्ञान की बातें की जाती हैं, वह भारत में युगों पूर्व की जा चुकी हैं। इससे कहा जा सकता है कि भारत में ज्ञान और विज्ञान की पराकाष्ठा थी, लेकिन यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हम विदेशी चमक के मोहजाल में फंसकर अपने ज्ञान को संरक्षित नहीं कर सके। जिसके कारण हम स्वयं ही यह भुला बैठे कि हम क्या थे। भारत की भूमि से विश्व को एक परिवार मानने का संदेश प्रवाहित होता रहा है, आज भी हो रहा है। यह अकाट्य सत्य है कि विश्व को शांति के मार्ग पर ले जाने का ज्ञान और दर्शन भारत के पास है। योग विधा एक ऐसी शक्ति है, जिसके माध्यम से दुनिया को स्वस्थ और मजबूती प्रदान की जा सकती है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से आज विश्व के कई देश भारत के साथ खड़े हुए हैं। यह विश्व को निरोग रखने की भारत की सकारात्मक वैश्विक पहल है।

देव भूमि भारत में वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को आत्मसात करने वाले मनीषियों ने बहुत पहले ही विश्व को स्वस्थ और मजबूत बनाने का संदेश दिया है। लेकिन योग की महत्ता को कम आंकने वाले लोगों के बारे में यही कहना तर्कसंगत होगा कि यह संकुचित मानसिकता का परिचायक है। पिछले तीन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे विश्व में योग का जो स्वरूप दिखाई दिया, वह अपने आप में एक करिश्मा है। करिश्मा इसलिए क्योंकि ऐसा न तो पहले कभी हुआ है और न ही योग के अलावा दूसरा कार्यक्रम हो सकता है। इतनी बड़ी संख्या में भाग लेने वाले लोगों के मन में योग के बारे में अनुराग पैदा होना वास्तव में यह तो प्रमाणित करता ही है कि अब विश्व एक ऐसे मार्ग पर कदम बढ़ा चुका है, जिसका संबंध सीधे तौर पर व्यक्तिगत स्वस्थता से है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर भले ही संकुचित मानसिकता वाले लोगों ने विरोध किया हो, लेकिन इसके बावजूद भी योग दिवस पर भाग लेने वालों ने एक कीर्तिमान बनाया है और संकुचित मानसिकता वालों के मुंह पर करारा प्रहार किया है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के योग साधकों के साथ मिलकर योग विद्या को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की जो पहल की थी, आज उसके सार्थक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। पिछले दो योग दिवस की सफलता यह प्रमाणित करने के लिए काफी है कि अब विश्व के कई देशों ने स्वस्थ और मजबूती की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अब विश्व को निरोग बनाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। वर्तमान में विश्व के अनेक देश इस सत्य से भली भांति परिचित हो चुके हैं कि योग जीवन संचालन की एक ऐसी शक्ति है, जिसके सहारे तनाव मुक्त जीवन की कल्पना की जा सकती है। हम जानते हैं कि विश्व के कई देशों में जिस प्रकार का विचार प्रवाह है, उससे जीवन की अशांति का वातावरण तैयार हो रहा है और अनेक लोग इसकी गिरफ्त में आते जा रहे हैं। विश्व के कई देश इस बात को जान चुके हैं कि योग के सहारे ही मानसिक शांति को प्राप्त किया जा सकता है। हम यह भी जानते हैं कि वर्तमान में हमारी जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन आया है, जो मानसिक अशांति का कारण बन रहा है। इसके चलते व्यक्ति अवसाद के घेरे में आ रहा है। कोरोना के संक्रमण को भी जीवनशैली में आए बदलाव को ही प्रदर्शित कर रहा है। कुछ भी खाना भोजन

का पर्याय नहीं माना जा सकता। रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने के लिए सात्विक आहार प्राथमिक है। भारतीय भोजन एक प्रकार से योग का ही एक हिस्सा है। जिसे आज विश्व स्वीकार कर रहा है।

वर्तमान में कोरोना के दौर के चलते योग के प्रति कई लोगों का दृष्टिकोण बदला है। योग से प्रतिदिन लाखों लोग निरंतर जुड़ रहे हैं। इसे वैश्विक समर्थन भी मिल रहा है। गत योग दिवस को मिले भारी वैश्विक समर्थन के बाद यह तो तय हो गया है कि विश्व को सुख और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए भारत के दर्शन को विश्व के कई देश खुले रूप में स्वीकार करने लगे हैं। इससे पहले जो भारत विश्व के सामने अपना मुंह खोलने से कतराता था, आज वही भारत एक नए स्वरूप में विश्व के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विश्व को भारत की विराट शक्ति का अहसास हो चुका है। कोरोना की लड़ाई भारत जिस तरीके से लड़ रहा है, वह शक्ति संपन्न देशों को अचंभित कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब से देश के प्रधानमंत्री बने हैं, तब से हमारे देश के बारे में वैश्विक दृष्टिकोण में गजब का बदलाव दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव नरेन्द्र मोदी को देखकर आया है, नहीं। इसका जवाब यह है कि भारत के पास पूर्व से ही ऐसी विराट शक्ति थी, जिसका भारत की पूर्व सरकारों को भारतीय जनता को बोध नहीं था। हर भारतवासी के अंदर शक्ति का संचय है, हम शक्ति को प्रदर्शित नहीं कर पा रहे थे, इतना ही नहीं हम यह भूल भी गए थे कि हमारे अंदर भी शक्ति है। नरेन्द्र मोदी ने जामवंत की भूमिका अपनाकर देशवासियों के मन में इस भाव को जाग्रत किया कि आप महाशक्ति हैं।

भारत के दर्शन में एक ठोस बात यह भी है कि भारत में हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया वाला भाव ही रहा है। जो भी देश भारत के इस दर्शन से तालमेल रखता हुआ दिखाई देता है, वह कभी दूसरे का अहित सोच भी नहीं सकता। जबकि विश्व के अनेक देश केवल स्वयं का ही हित सबसे ऊपर रखकर दूसरों के हितों पर चोट करते हैं। आतंक फैलाकर अपना वर्चस्व स्थापित करने वाला समाज मारकाट करने की मानसिकता के साथ जी रहा है। ऐसे लोगों का न तो कोई अपना है, और न ही कोई परिवार। कई मुस्लिम देशों के नागरिक आज मुसलमानों के ही दुश्मन बनकर मारकाट का खेल खेल रहे हैं। ऐसे लोगों से शांति का बातें करना भी बेमानी है। हमारी सलाह है कि ऐसे लोग भी योग की क्रियाएं अपनाकर शांति के मार्ग पर चल सकते हैं। योग जहां स्वस्थ मानिकता का निर्माण करने में सहायक है वहीं शांति स्थापना का उचित मार्ग है।

सवाल यह आता है कि वर्तमान के मोहजाल में फंसे विश्व के अनेक देश आज किसी भी चीज में शांति नहीं देख रहा है। पैसे के पीछे भाग रहा पूरा विश्व तनाव भरा जीवन जी रहा है। इस तनाव से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है योग को अपनाया जाए। जिसने अपने जीवन में योग को महत्व दिया है, वह इस तनाव से छुटकारा पाने में सफल रहा है। हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि आध्यात्मिकता और ध्यान योग के मामले में हम विश्व के सभी देशों से बहुत आगे हैं। इस बारे में दुनिया का ज्ञान भारत के समक्ष अधूरा ही है। भारत को जब तक इस बात का बोध था, तब तक विश्व का कोई भी देश भारत का मुकाबला करने का सामर्थ्य नहीं रखता था। हम योग के माध्यम से एक बार फिर से आदर्श स्थापित कर सकते हैं। जिसके लिए यह समय अनुकूल है। भारत की इस शक्ति का प्रस्फुटन हो चुका है। अब जरूरत इस बात की है कि हम सभी सरकार के कदम के साथ सहयोग का भाव अपनाकर अपना कार्य संपादित करें। आने वाले समय में भारत का भविष्य उज्जवल है।

20जून/ ईएमएस

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव
। येन भूतान्यशेषाणि द्रक्ष्स्यात्मन्यथो मयि।।

अर्थात- हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नज़रिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे। आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

आध्यात्मिक, सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन पर कोरोना महामारी का दुष्प्रभाव

डॉ. शारदा मेहता

कोरोना महामारी के कारण हमारे आध्यात्मिक, सामाजिक और पारिवारिक जीवन पर अत्यधिक गहरा प्रभाव पड़ा है। हमारी सामाजिक व्यवस्था की नींव इतनी गहरी है पर लगता है वह भी अब दरक गई है। सामूहिक रूप से सम्मिलित होकर प्राय- सभी समाजों के समाजजन कई त्योहारों को मनाते थे, यथा होली, रंगपंचमी, मकर संक्रान्ति, अक्षय तृतीया, गणगौर तीज, वर्ष प्रतिपदा, लोहड़ी, करवा चौथ, शीतला सप्तमी, दीपावली, दशहरा, हनुमान जयन्ती, महावीर जयन्ती, शनिश्चरी तथा सोमवती अमावस्या तथा विभिन्न अवसरों पर आयोजित होने वाले मेले आदि। जो बच्चे वर्तमान में दो से पाँच वर्ष की आयु वाले हैं, वे तो इन त्योहारों का आनन्द ही नहीं उठा सके, क्योंकि कोरोना महामारी का यह दूसरा वर्ष है।

समाज में किसी भी परिवार में सुख या दुःख में परिचित तथा रिश्तेदार, सम्मिलित होना अपना परम कर्त्तव्य समझते थे। हर समय एक-दूसरे की सहायता के लिए तत्पर रहते थे। सब में एकता की भावना विद्यमान थी। भावनाएँ तो आज भी विद्यमान हैं किन्तु परिस्थितियाँ विपरीत हो गई हैं। सभी सहायता के लिए लालायित हैं पर विवश हैं। सामाजिक दूरी बनाए रखने के कारण कोई भी कुछ नहीं कर सकता है। केवल हम अपनी उपस्थिति मोबाइल फोन या आनलाइन माध्यमों से ही दर्ज करा सकते हैं जो केवल एक औपचारिकता ही है। इससे संबंधितों को एकाकीपन का आभास नहीं होता है। अब वृद्ध व्यक्ति भी घर के बाहर नहीं निकल सकते हैं। उनकी सामाजिक गतिविधियां लगभग समाप्त हो चुकी हैं। उनका प्रात-सायं का भ्रमण बन्द हो चुका है। बगीचों में समवयस्कों के साथ, वार्त्तालाप, हँसी मजाक, विभिन्न विषयों पर होने वाली समसामयिक चर्चाएँ आदि सभी बन्द हैं। कई बुजुर्ग स्मार्ट फोन का उपयोग विधिवत नहीं कर सकते हैं। उनकी कर्णेन्द्रियाँ कमजोर होने से उन्हें बातचीत करने में कठिनाई होती है। आँखों की दृष्टि भी शिथिल होने से परिचितों के नम्बर्स ढूँढना भी बड़ा कष्टदायक प्रतीत होता है। समाज की वृद्ध महिलाएँ भी पहिले एक-दूसरे के सम्पर्क में रहती थीं। सायंकाल होने वाले भजन कीर्तन के कार्यक्रम में सम्मिलित होती थीं। अब कोरोना काल में यह सब कतई संभव नहीं है। पारिवारिक परिस्थितियाँ भी परिवर्तित हो गई हैं। अपने कितने ही समीप के रिश्तेदारों की मृत्यु होने पर भी सम्मिलित नहीं हो सकते हैं। यदि मृत्यु कोरोना महामारी से हुई है, तब तो हालात और भी दयनीय हो जाते हैं। सन्तानें भी दूर खड़े रहकर ही अन्तिम दर्शन कर सकती हैं। यह कितनी बड़ी विडम्बना है। कोरोना की शृंखला को तोड़ने के लिए ये सभी बातें आवश्यक बताई गई हैं। दादा, ताऊ, काका, बुआ, नाना, मामा आदि के परिवार में भी आपस में मिलना-जुलना बंद सा हो गया है। कोरोना से संक्रमित यदि कोई हो तो हम भी संक्रमित हो जाएंगे और परिवार के अन्य सदस्यों को भी संक्रमित करेंगे। इस भय ने हमारी सारी मनोभावनाओं को कुंठित कर दिया है। परिवार का हर सदस्य मानसिक तनाव में जी रहा है। घर का युवा वर्ग जो अपने कार्यस्थल पर जाता है तो घर के वृद्धजन का चिन्तित होना स्वाभाविक है। परस्पर दूरी तथा मास्क, नाश्ता-भोजन से भी ज्यादा आवश्यक हो गए हैं। बार-बार साबुन से हाथ धोना, सेनीटाइज करना, बाहर से आकर कपड़े बदलना, मास्क धोना, स्नान करना ये सब नियमित कार्य हो गए हैं। जरा सी खाँसी-सर्दी का होना भी हमारे मन में शंका उत्पन्न कर देता है। घर के सभी सदस्य परमपिता परमेश्वर से प्रतिदिन यही प्रार्थना करते हैं कि सभी जन कुशल मंगल से रहें।

जिन घरों में महिलाएँ भी नौकरीपेशा हैं, वहाँ तो परिस्थितियाँ विकट हैं। घरेलू सेवाकर्मियों की सेवाएँ भी अभी बन्द हैं, इसलिए घर के सभी काम समय सीमा में निपटाना ही है। ऑनलाइन, किराना सामान, फल, सब्जी, दवाइयाँ की सारी व्यवस्थाएँ संभालना, बैंकों आदि के वित्तीय कार्य को समयावधि में पूर्ण करना ही है। इसके अतिरिक्त परिवार के 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र वाले व्यक्तियों को कोरोना महामारी के टीके लगवाने की व्यवस्था करना। शासन के नवीन नियमों के अनुसार 45 वर्ष की आयु वाले या इससे अधिक आयु वालों को भी टीका लगवाने के लिए प्रेरित करना। शासकीय चिकित्सालयों में यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है, निजी चिकित्सालयों में निर्धारित शुल्क देकर 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को भी टीके लगाने की योजना पर भी सम्पूर्ण विश्व में अनुसंधान चल रहा है। एक निश्चित अवधि के पश्चात् टीके की दूसरी डोज़ भी लगवानी आवश्यक है।

कोरोना में अपनाएं योग, परिवार बनाएं निरोग

सूडोकु नवताल-5748

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5747 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

प्रभुनाथ शुक्ल

भारत की समस्त सृष्टि और संस्कार में योग समाहित है। योग विकारों से मुक्ति का मार्ग है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है। यह सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। 21 जून को विश्व योग दिवस है। भारत के प्रयास से पहली बार यह 2015 को दुनिया भर में मनायागया। पूरी दुनिया आज योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। कोरोना काल में योग की अहमियत बढ़ गई है। हम योग के जरिए स्वस्थ रह कर स्वस्थ समाज और परिवार का निर्माण कर सकते हैं।

भगवान कृष्ण ने गीता में स्वयं कहा है कि 'योगः कर्मसु कौशलम' यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि 'योगस्थः कुरु कर्माणि' और इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसंबर 2014 को

इसका प्रस्ताव दिया गया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्तराष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

योगगुरु बाबा रामदेव ने भी योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया ने योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है और यह संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं, योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे। इसे मनाने के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से पटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों में श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक संवृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने हैं। दुनियाभर में योग के महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधाना के आठ आयाम हैं जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्यहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीनकाल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं। भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई है। भारत की योग व्यवस्था को पटल पर लाने में योगगुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अयंगर के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता है।

पिता के मन का एहसास

मां तो मां होती है,
घर की लक्ष्मी कहलाती है ।
पति जब पिता बन जाता है,
सारे परिवार का मुखिया वह कहलाता है।

पिता के प्यार को कोई,
समझ नहीं पाता है।
मेहनत से बहुत कमाता है ,
ऊपरी मन से हंसता है पर अंदर मन रोता है।

फिक्र है उसे पूरे परिवार की ,मुख से नहीं दर्शाता है।
बच्चों को खूब खिलाता है,
भर आये आंसुओं से आंख मेरी ।
बच्चा पिता के मन को समझ नहीं पाता है।
जब वह बूढ़ा हो जाता है ,
अकेलापन उसे सताता है।
टूट जाते हैं रिश्ते सारे,
जब पुत्र पिता की इज्जत नहीं कर पाता है।
तब पिता को समझ में आता है,
परिवार को मुखिया से नहीं पैसों से तोला जाता है।

ऐसी ही पिता की कहानी है,
यह मन का एहसास दुख की कहानी है।
कोई पिता का एहसास ना बता पाएगा,
जो कविता में मणि द्वारा बताया जाएगा।

मोनिका महाजन मणि
पठानकोट पंजाब

विश्व जागृति दिवस पर पेटेंट फ्री वैक्सिंग संकल्प

कार्यक्रम-स्वदेशी जागरण मंच मानवता की पुकार-वैक्सी सबका अधिकार

श्योपुर विश्व व्यापार संगठन करें कोविड वैक्सीन को पेटेंट मुक्त ड्डड्डरू एम पिटीशन (यूनिवर्सल एक्सेस टू वैक्सीन एंड मेडिसिन याचिका) पर किए देश-विदेश से 14 लाख लोगों ने हस्ताक्षर किए! विश्व के 20 देशों में भी अभियान हुआ व 130 कुलपति सहित 2200 उच्च शिक्षाविदों ने भी हस्ताक्षर किए ।

स्वदेशी जागरण मंच द्वारा (अथवा यू वी ए एम टीम द्वारा) आज विश्व जागृति दिवस के रूप में पेटेंट फ्री वैक्सीन संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें मंच व अन्य संस्थाओं से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने (अनेक स्थानों में) कोविड वैक्सीन को सर्व सुलभ बनाने के लिए इसे पेटेंट मुक्त करने के लिए पोस्टर्स व बैनर हाथ में लेकर इसमें भाग लिया । इस अवसर पर मुख्य वक्ता/अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री.. देवेंद्र शर्मा जिला अध्यक्ष नवचेतना युवा संगठन ने कहा कि वैश्विक मानवता आज कोविड-19 के रूप में एक अभूतपूर्व संकट व त्रासदी का सामना कर रही है । पिछले लगभग 1 वर्ष में दुनिया भर में 37 लाख से अधिक और भारत में 3.4 लाख से अधिक लोगों की कोविड-19 से असमय मृत्यु हो गई है । इजरायल, यूएस, यूके, नार्वे आदि देशों ने अपनी वयस्क आबादी के बहुमत का टीकाकरण करके ताजा संक्रमण और कोरोना से होने वाली मौतों को नियंत्रित किया है । लोगों को कोरोना से बचाने के लिए दुनिया को करीब 14 अरब वैक्सीन डोज की जरूरत है, जबकि पिछले लगभग 6 महीनों में सभी आठ फार्मा कंपनी द्वारा कोविड टीकों कि केवल 200 करोड़ रोज का ही उत्पादन किया जा सका है । वर्तमान दर पर दुनिया की योग्य आबादी को टीका लगने में दो-तीन साल और लग सकते हैं, जबकि पहले से ही टीका लगाए गए लोगों को पुनः नए कोरोना वेरिएंट से संक्रमित होने से बचाने के लिए 10-12 महीनों के समय में सभी देशों की योग्य आबादी का टीकाकरण करना जरूरी है । इसका अर्थ है कोई भी तब तक सुरक्षित नहीं रहेगा जब तक की सभी सुरक्षित नहीं हो कोविड टीकों के बड़े पैमाने पर उत्पादन में रुकावट विश्व व्यापार संगठन के ट्रिप्स के प्रावधानों के तहत आने वाले पेटेंट कानून और बौद्धिक संपदा अधिकार है जो अन्य फार्मा कंपनियों को इन टीकों के निर्माण की अनुमति नहीं देते हैं । दुनिया की 7. 87 अरब आबादी को कोरोना के चंगुल से बचाने के लिए वैक्सीन और दवाओं का उत्पादन बढ़ाने के लिए पेटेंट कानूनों में ढील देने की जरूरत है ड्डरू (यूनिवर्सल एक्सेस टू वैक्सीन एंड मेडिसिन) अभियान सभी के लिए कोविड वैक्सीन उपलब्ध कराने हेतु उच्च शिक्षा संस्थानों और स्वदेशी जागरण मंच जैसे सामाजिक संगठनों के सदस्यों की एक टीम द्वारा दो ऑनलाइन याचिकाओं के माध्यम से दुनियाभर में शुरू किया गया है, एक याचिका कुलपति या समकक्ष जैसे प्रख्यात व्यक्तियों के लिए और दूसरी अन्य लोगों के लिए । पहली याचिका पर देश के 2000 से अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किए और दूसरी याचिका पर भारत और विदेशों से 14 लाख से अधिक व्यक्तियों द्वारा 16 जून तक हस्ताक्षर किए गए हैं । इन याचिकाओं के माध्यम से अपील की गई है कि (1) विश्व व्यापार संगठन पेटेंट फ्री वैक्सीन के लिए ट्रिप्स के प्रावधानों में छूट दे (2) वैश्विक दवा कंपनियां स्वेच्छिक रूप अन्य फार्मा कंपनियों को कोविड 19 के टीके बनाने की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित पेटेन्ट मुक्त अधिकार दे (3) सरकारें अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग कर अधिक दवा फर्मो को टीके बनाने का लाइसेंस दे और (4) संबंधित व्यक्ति और संगठन मानवता हेतु अभियान का समर्थन करें। विश्व व्यापार संगठन ने 9 जून 2021 को अपनी बैठक में 60 से अधिक देशों द्वारा समर्थित भारत और दक्षिण अफ्रीका के वैक्सीन निर्माण को बढ़ाने के लिए ट्रिप्स के प्रावधानों में छूट के प्रस्ताव को फास्ट ट्रैक से अंतिम रूप देने के लिए एक टेक्स्ट (मसौदा) आधारित प्रक्रिया शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है । यह भारत में ड्डरू जैसे अभियानों और दुनिया में इसी तरह के अन्य अभियानों द्वारा उत्पन्न जनता के दबाव के कारण संभव हुआ है ।

इस मुद्दे पर अधिक जागरूकता और समर्थन सुनिश्चित करने और डब्ल्यूटीओ द्वारा ट्रिप्स छूट को अंतिम रूप देने तक अधिक सार्वजनिक दबाव उत्पन्न करने के लिए, यूएवीएम अभियान ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए 20 जून, 2021 को विश्व जागृति दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है । इस दिन पेटेंट मुक्त संकल्प कार्यक्रम भारत के विभिन्न शहरों और विश्वविद्यालयों/कॉलेजों और दुनिया के कई देशों में प्रदर्शनों/प्रेस ब्रीफिंग/संगोष्ठियों/वेबिनार आदि के रूप में क्षेत्र के कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों, प्रेस और मीडिया के लोगों की उपस्थिति में किये जाएंगे । स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित आज का यह कार्यक्रम भी इसी की एक कड़ी है । आज के इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से यह लोग उपस्थित रहे शुभम शर्मा लक्ष्मी चंद शिवहरे अनिल शिवहरे, मुकेश पाराशर, अंजली गौड़, अमन शर्मा!

गोपुत्र प्रकाश कि दादी का 125 वर्ष आयु होने पर कब्बे मे हुआ बहुमान

सोजत –गोपुत्र प्रकाश. राठौड़ कि दादी का हुआ बहुमान दोरनडी गाव। में 125 साल बुढे माताजी.का सम्मान श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी सीरवी विकास। समिति के..कार्यकर्ता के द्वारा समिति के माहसचिव गुदडराम काग, कोषाध्यक्ष करमाराम सीरवी, सवस्थ मंत्री गोपुत्र प्रकाश राठौड़, भेराराम ,ताराराम, बुधाराम, मंगलाराम , इन सभी सदस्यों ने दादी से आशीर्वाद लिया और उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना की ।

21 जून - योग दिवस

पुष्पांजलि टुडे

योग मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, विश्व में बहुत से लोग हैं जो अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं, इसके लिए नियमित रूप से योग करना जरूरी हैं, प्रतिदिन योग करने से मानव शरीर स्वस्थ रहता हैं, और हम बीमारियों से बचे रहते हैं, योग दिवस का भी हमारे दैनिक जीवन में विशेष महत्व हैं। भारतीय प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के द्वारा 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके संबोधन के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा हुई थी। और पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को संपूर्ण विश्व में मनाया

गया। योग के गुरु महर्षि पतंजलि हैं। योग का अर्थ हैं %जुड़ना% यह संस्कृत के %युज% शब्द से बना हैं, आध्यात्मिक स्तर पर इस जुड़ने का अर्थ हैं, सार्वभौमिक चेतना के साथ, व्यक्तिगत चेतना का एक होना। व्यावहारिक स्तर पर, योग शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करना और तालमेल बनाने का एक साधन हैं। महर्षि पतंजलि के अनुसार चित्त की वृत्तियों को चंचल होने से रोकना (चित्तवृत्तिनिरोधः) योग हैं। अर्थात् मन को इधर-उधर भटकने न देना, केवल एक ही वस्तु में स्थिर रखना ही योग हैं। योग के चार प्रकार हैं- राजयोग, कर्मयोग, भक्तियोग, और ज्ञान योग। राजयोग यह योग का प्रमुख प्रकार हैं और इसके 8 अंग हैं यम, नियम, आसन, प्राणायाम, धारण, प्रत्याहार, ध्यान और समाधि। कर्मयोग मनुष्य के कर्मों पर निर्भर करता हैं यदि मनुष्य अच्छे कर्म करता हैं तो उसका परिणाम अच्छा होता हैं। भक्ति योग भक्ति के मार्गों का वर्णन करते हैं और मनुष्य को भक्ति की ओर ले जाने का प्रयास करते हैं। ज्ञान योग सबसे कठिन योग हैं, इस पर चलना हर किसी के बस की बात नहीं हैं, इसके लिए संयम और सामर्थ्यं की आवश्यकता होती हैं, इस योग को ऋषि, महर्षि चुनते हैं,और इसी मार्ग पर आगे बढ़ते हैं। हम सभी को प्रतिदिन योग करना चाहिए जिससे हम सभी अपने शरीर को स्वस्थ रख सकें और बीमारियों से कोसों दूर रहें, योग मानव मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं, हम सभी को अन्य लोगों को योग करने के प्रति जागरूक भी करना चाहिए।

शिवम रामटेक्कर
बालाघाट, मध्यप्रदेश

अंतराष्ट्रीय योग दिवस से पहले ही योग शिक्षक दिनेश साहू स्वस्थ और निरोग बनाये रखने के लिए नियमित योग करा रहे है!

ब्यूरो विनोद पाठक

श्योपुर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले से ही योग शिक्षक दिनेश साहू शहर वासियों को स्वस्थ और निरोग बनाए रखने के लिए नियमित योग करा रहे हैं 2015 में प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के बाद योग की लहर सभी के समझ में आई सभी ने योग को अपनाया योग शिक्षक दिनेश साहू ने शहर के हर वार्ड में जाकर 5- 5 दिन का योग शिविर लगाकर लोगों को योग सिखाया ताकि वह स्वस्थ निरोग बने रहे साथ ही शहर के सभी विद्यालयों में जा जाकर छात्र छात्राओं को और छोटे बच्चों को योग सिखाया अभी तक बड़े और बच्चों को मिलाकर 25 से 40000 व्यक्तियों तक योग सिखाया तथा आसपास के गांव मैं भी 5,5 दिन का योग शिविर लगाकर ताकि गांव वाले भी स्वस्थ निरोगी रहें कोरोना कॉल मैं भी योग सेवाएं पिछले वर्ष और इस वर्ष भी निरंतर जारी रही जो योग साधक ऐसे समय भी योग करने आए वह स्वस्थ रहें उन्हें कोई बीमारी उनके आसपास भी नहीं आई कौरोणा जैसी बीमारी उनको छू भी नहीं सकी यह सब योग प्राणायाम और आसनों का असर था अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर तो योग करना ही चाहिए लेकिन प्रतिदिन भी हो बहुत महत्वपूर्ण होता है योग शिक्षक दिनेश साहू

सडंक पर जिस ट्रक में सरिया, रॉड्स, पाईप्स्, लोहे की चादरें बॉडी से बाहर निकले हों तो तुरन्त उसका फोटो खींच कर 9634454555 पर व्हाट्सएप करें

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन प्रवर्तन हेमचन्द्र गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रक की बॉडी से बाहर निकले हुये सरिया, रॉड्स, पाईप्स्, लोहे की चादरे आदि के असुरक्षित परिवहन के कारण भारत में प्रत्येक वर्ष लगभग 10,000 से अधिक लोग अपनी जान गवाँ देते हैं और 20,000 से अधिक घायल हो जाते हैं। मोटर वाहन अधिनियम की धारा-194 की उपधारा 1(ए) के अन्तर्गत गाड़ी की बॉडी से बाहर साइड में, दाहिने, बायें, पीछे अथवा ऊपर की दिशा में वाहन के बाहर की ओर निकले हुये माल का परिवहन पूर्णतः प्रतिबन्धित है तथा उल्लंघन की दशा में 20,000 रूपये के जुर्माने का प्राविधान है। साथ ही खतरनाक संचालन के अभियोग में धारा-184 के अन्तर्गत ट्रक के चालक को 1 वर्ष की सजा भी हो सकती है। उन्होने कहा कि हम सभी एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में ऐसी दुर्घटनाओं को होने से रोक सकते हैं। अगर आप सड़क पर कोई भी ऐसा ट्रक देखें, जिसमें सरिया, रॉड्स, पाईप्स्, लोहे की चादरें आदि बॉडी से बाहर निकले हों तो तुरन्त उसका एक स्पष्ट फोटो लेकर व्हाट्सएप नं0- 9634454555 पर भेज दें, ताकि उसका चालान किया जा सके। फोटो लेते समय ध्यान रहे कि मालवाहन की रजिस्ट्रेशन प्लेट स्पष्ट रूप से पढ़ने में आसके, साथ ही फोटो लिये जाने का स्थान तथा रजिस्ट्रेशन प्लेट का नम्बर भी टाइप करके भेज दें। आपकी थोड़ी सी सावधानी और सतर्कता कई लोगों की जान बच सकती हैं।

पाली प्रधान पटेल ने किया शीतल जल ग्रह का उद्घाटन

नेनाराम सिरवी ब्यूरो
पुष्पांजली टुडे

पाली पंचायत समिति प्रधान मोहिनी पुखराज पटेल ने पाली ब्लाक के ग्राम पंचायत गुड़ा एंडला के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र पर शीतल जल ग्रह का किया उद्घाटन। भामाशाह पीरसिंह राठौड़ सुपुत्र तेजसिंह राठौड़ द्वारा प्याऊ का निर्माण कराया गया । लंबे वर्षों से चल रहा राठौड़ परिवार का सपना हुआ साकार। राठौड़ परिवार ने बेहतरीन प्याऊ का निर्माण करवाया ।आमजन के लिए ठंडा शीतल जल सेवा के लिए अपनी मातृशक्ति और पिता शक्ति के स्मृति में सुंदर प्याऊ का निर्माण कार्य करवाया गया। अनुमोदन इस शुभ अवसर पर पाली प्रधान मोहनी पुखराज पटेल सरपंच मीनाक्षी प्रताप मीणा के कर कमलों द्वारा उद्घाटन किया गया । पाली पंचायत समिति प्रधान मोहिनी पुखराज पटेल ने कहा कि राठौड़ परिवार द्वारा जल सेवा करने का लिया संकल्प और संकल्प लेकर उनके सपनों को

साकार करते हुए मानव हित के लिए सफल कार्य किया गया।प्रधान पटेल ने भामाशाह परिवार का आभार जताया गया। भाजपा नेता पुखराज पटेल रुपावास ने बताया जल ही जीवन की महत्वता को समझते हुए भामाशाह राठौड़ परिवार को जल सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।। जल सेवा करने का सौभाग्य किसी का कोई इंतजार नहीं करता है । लेकिन राठौड़ परिवार को जल सेवा करने का लंबे वर्षों से इंतजार था। इंतजार की घड़ियां खत्म और इन्हें जल सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस मौके पर पूर्व सरपंच मोहनदास बिंजाराम मीणा रिटायर एडिशनल एसपी पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि नारायण लाल प्रजापत उपसरपंच हंजादेवी पंचायत जनप्रतिनिधि शायर नीर प्रतिनिधि मुकेश बरोलिया बाबूलाल मीणा केराराम मीणा कन्हैया लाल मदन सिंह ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी हुक्मीचंद कनिष्ठ सहायक हनुमंत सिंह गिरवर माताजी मंदिर के भोपाजी समाजसेवी चैनसिंह कुरना। किसान मोर्चा जिला प्रतिनिधि व भाजपा नेता पुखराज पटेल रुपावास सहित गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

स्वदेशी जागरण मंच की मांग कोविड वैक्सीन को पेटेंट फ्री किया जावे

गोहद (महेंद्र शर्मा)

गोहद । स्वदेशी जागरण जिला इकाई गोहद भिंड के तत्वावधान मे मंच के विश्व जागृति दिवस के रुप में 20 जून को कोरोना गाइड लाइन्स का पालन करते हुए पेटेंट मुक्त वैक्सिंग संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रदर्शनात्मक पट्टियों पर विश्व व्यापार संगठन से मांग की गई कि मानवता के लिए वैक्सीन पर सभी का अधिकार होना चाहिए और कोविड वैक्सीन को पेटेंट मुक्त की जावे। स्वदेशी जागरण मंच की ओर से देश के लगभग चौदह लाख लोगों ने पिटीशन पर अपने हस्ताक्षर कर वेक्सीन को पेटेंट फ्री किए जाने की मांग की है। मंच से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कोविड वैक्सीन को सर्व सुलभ बनाने एवं पेटेंट मुक्त करने हेतु पोस्टर्स व बैनर हाथ में लेकर इसमें भाग लिया । इस अवसर पर मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत कार्यकरिणी सदस्य श्री महेंद्र शर्मा ने कहा कि वैश्विक मानवता आज कोविड-19 के रूप में एक अभूतपूर्व संकट व त्रासदी का सामना कर रही है। लोगों को कोरोना से बचाने के लिए दुनिया को लगभग 14 अरब वैक्सीन डोज की जरूरत है, जबकि पिछले लगभग 6 महीनों में सभी आठ फार्मा कंपनी द्वारा कोविड टीकों की केवल 200 करोड़ डोज का ही उत्पादन किया जा सका है। श्री शर्मा ने कहा है कि कोविड टीकों के बड़े पैमाने पर उत्पादन में रुकावट विश्व व्यापार संगठन के ट्रिप्स के प्रावधानों के तहत आने वाले पेटेंट कानून और बौद्धिक संपदा अधिकार है जो अन्य फार्मा कंपनियों को इन टीकों के निर्माण की अनुमति नहीं देते हैं । दुनिया की 7. 87 अरब आबादी को कोरोना के चंगुल से बचाने के लिए वैक्सीन और दवाओं का उत्पादन बढ़ाने के लिए पेटेंट कानूनों में ढील देने की जरूरत है ।

यूनिवर्सल एक्सेस टू वैक्सीन एंड मेडिसिन अभियान सभी के लिए कोविड वैक्सीन उपलब्ध कराने हेतु उच्च शिक्षा संस्थानों और स्वदेशी जागरण मंच जैसे सामाजिक संगठनों के सदस्यों की एक टीम द्वारा दो ऑनलाइन याचिकाओं के माध्यम से दुनिया भर में शुरू किया गया है। इस दिवस पर पेटेंट मुक्त संकल्प कार्यक्रम में मंच के पदाधिकारी व सक्रिय सदस्य डॉ संजय सिंह चौहान, अनुराग शर्मा, डॉ रामनिवास जैन, डॉ राजू पाल, विष्णु शुक्ला, धर्मवीर जयंत, अमित श्रीवास, आशिक खान, मोनू भदौरिया, जितेंद्र शर्मा, दिलीप उर्फ भल्ले गुर्जर, संतोष ओझा, सुरेश करोतिया, करू गुर्जर, जनरेल सिंह, रफीक खान, अनुज करोतिया आदि समाजसेवियों ने भाग लिया।

श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिती की ओर से जैतारण परगना समिती में एंबुलेंस सप्रेम भेंट

पुंष्पाजली टुडे
नारायणला सैणचा बूरो

पाली – जैतारण श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति रजि.दिनाक 19-6-21 को समाज के मानव प्रेमी समाजसेवी दानदाताओ के बहुमुल्य तन मन धन के सहयोग से जैतारण तहसिल मे समिति द्वारा ऐक एबुलेस भेट की गई लोक प्रिय नेता रासमन्द सांसद दिया कुमारी, व जैतारण विधायक अविनाश गेहलोत, व जैतारण गीता भवन के तपस्वी मंहत हरिदास, जैतारण के पुर्व प्रधान मल्लाराम,जैतारण प. समिति के प्रधान रामलाल सानपुरा, व गुणाराम सोंलकी, भाजपा के हेमन्त गदाणा ,व समिति संरक्षक रामलाल सैणचा,व बाबुलाल चौयल ,समिति के अध्यक्ष सुजाराम गेहलोत, महासचिव गुदडराम काग, कोसाअध्यक्ष करमाराम परिहार ,व समिति के कार्यकारणी सदस्य बुद्धाराम, मंगलाराम, ताराराम, भेराराम, प्रकाश गौसेवा, मगाराम डगराराम, की मोजुदगी मे जैतारण क्षेत्र मे समिति ने 6 सदस्यो की

संचालक कमिटि बनाकर वहा की 36 कौम के लिये मानव सेवा हेतु भेट की गई मंच का संचालन रतनलाल सर ने किया पुर्व संध्या पर रात्री भजन संध्या रखी गई वहा पर पुरी रात लाबुराम द्वारा एक से एक भजनो से सबका मन मोह लिया

नैनो न्यूज

खुलकर बल्लेबाजी करते हैं पंत, इरफान पठान ने की तारीफ

नई दिल्ली (ए)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने ऋषभ पंत की जमकर तारीफ कर कहा कि पंत ने अब तक बेखौफ अंदाज में बल्लेबाजी की है। इस वजह से लोग टेस्ट क्रिकेट को पसंद करने लगे हैं और मुझे नहीं लगता कि कोई इस बात से इंकार कर सकता है। पठान ने कहा कि जो काम एडम गिलक्रिस्ट ऑस्ट्रेलिया के लिए करते थे, वही अब पंत टीम इंडिया के लिए कर रहे हैं। वहां सात नंबर पर आकर मैच का रुख पूरी तरह पलट देते हैं। पठान ने कहा कि पंत की बेखौफ बल्लेबाजी और उन्हें पिछली कुछ टेस्ट सीरीज में मिली सफलता के कारण दर्शक टेस्ट क्रिकेट के प्रति आकर्षित हुए हैं, जो इस फॉर्मेट के लिए बहुत जरूरी था। पठान ने कहा कि पिछली कुछ सीरीज में पंत ने बतौर बल्लेबाज और विकेटकीपर अपने खेल में काफी सुधार किया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में कई अहम पारियां खेली थीं और भारत के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने में उनका रोल अहम था। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा कि पंत ने टीम के लिए बीते साल में कुछ अहम पारियां खेलीं और जीत के हीरो रहे। ये आसानी से नहीं होता। जब कप्तान और टीम का आप पर पूरा भरोसा होता है, तभी आप खुलकर खेलते हैं।

रबाडा , एंगिडी और नोर्ट्जे के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीक ने वेस्टइंडीज को 149 रनों पर समेटा

ग्रोस आइलेट (ए)। कगिसो रबाडा , लुंगी एंगिडी और एनरिच नोर्ट्जे की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज को पहली पारी पारी में 149 रनों पर ही समेट दिया। रबाडा ने 24 रन देकर दो विकेट , लुंगी एंगिडी ने 27 रन पर दो विकेट और एनरिच नोर्ट्जे ने 41 रन देकर एक विकेट लिया। इसके अलावा वियान मुल्डर ने केवल एक रन पर तीन विकेट लिए। जिससे वेस्टइंडीज की टीम दो सत्र में 149 रन पर आउट हो गई। केशव महाराज ने भी 47 रन देकर दो विकेट लिए। वेस्टइंडीज की ओर से शाई होप ने 43 जबकि अंतिम बल्लेबाज जर्मेन ब्लैकवुड ने 49 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 298 रन बनाए थे। इस प्रकार उसे 149 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिली हुई है।इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 218 रन से की। बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक शतक नहीं बना पाये ओर 96 रन बनाने के बाद काइल मायर्स की गेंद पर होप के हाथों कैच हुए। इसके बाद रबाडा ने अंत में 23 गेंद में 21 रन की पारी खेलकर टीम का स्कोर आगे बढ़ाया। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से मायर्स ने 28 रन जबकि केमार रोच ने 45 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए। इस प्रकार दूसरे टेस्ट में भी दक्षिण अफ्रीकी टीम का पलड़ा भारी है।

एमआई वॉच रिवाल्व एक्टीव 22 जून को होगी लॉन्च

नई दिल्ली (ए)। भारत में 22 जून को एमआई वॉच रिवाल्व एक्टीव को लॉन्च किया जाएगा। चाइनीज कंपनी शाओमी ने यह जानकारी दी है। इस अपकमिंग वॉच के लिए कंपनी की वेबसाइट पर एक डेडिकेटेड पेज बनाया गया है। इस पेज में वॉच के काफी कुछ स्पेसिफिकेशन्स बता दिए गए हैं। कंपनी ने कंफर्म कर दिया है कि एमआई वॉच रिवाल्व एक्टीव को एमआई 11 लाइट के साथ 22 जून को दोपहर 12 बजे लॉन्च किया जाएगा। इस वॉच को कंपनी की वेबसाइट के साथ-साथ ऐमेजॉन पर भी लिस्ट किया गया है। इससे साफ है कि लॉन्च के बाद इसकी बिक्री ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से ही होगी। एमआई.कॉम पर जारी डेडिकेटेड पेज पर बताया गया है कि ये वॉच ब्लड ऑक्सीजन लेवल मॉनिटर करने के लिए एसपीओ2 सेंसर के साथ आएगी। साथ ही इसमें इन-बिल्ट ऐमेजॉन ऐलेक्सा मिलेगा। एमआई वॉच रिवाल्व एक्टीव में 117 स्पोर्ट्स मोड्स और 110 वॉच फेस मिलेंगे। एमआई वॉच रिवाल्व एक्टीव में यूजर्स को स्ट्रेस मैनेजमेंट और स्लीप मॉनिटरिंग का फीचर मिलेगा। साथ ही कई कलर ऑप्शन में इंटरचेंजेबल रिस्ट स्ट्रैप्स भी मिलेंगे। शाओमी की इस अपकमिंग स्मार्टवॉच में यूजर्स को 3.53सीएम ऑलवेज ऑन अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा। साथ ही इसमें फाइंड माय फोन, म्यूजिक कंट्रोल, अलार्म , टाइमर, वेदर, स्टॉपवॉच और फ्लैशलाइट जैसे फीचर्स भी मिलेंगे।

शेफाली आने वाले समय में तीनों प्रारूपों में अहम भूमिका निभाएगी: मिताली

लंदन (ए)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह युवा खिलाड़ी आने वाले समय में खेल के तीनों प्रारूपों में अहम भूमिका निभाएगी। शेफाली ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ एक एकमात्र टेस्ट की पहली पारी में तेजी से 96 रन बनाने के साथ ही दूसरी पारी में भी 63 रन बनाए थे। इस प्रकार वह डेब्यू टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने वाली सबसे युवा और कुल चौथी खिलाड़ी हैं। अपने इस प्रदर्शन के लिए शेफाली को अपने पहले ही टेस्ट में मैन ऑफ द मैच का इनाम भी मिला है। मैच ड्रॉ होन के बाद मिताली ने कहा, ''वह सभी प्रारूपों में भारतीय बल्लेबाजी इकाई के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उसने काफी अच्छी तरह से इस प्रारूप से तालमेल बैठाया है।'' उन्होंने कहा, ''उसने टी20 प्रारूप की तरह ही पहली गेंद से ही आक्रामक बल्लेबाजी नहीं की। वह नई गेंद के खिलाफ समझदारी से खेली और टीम में उसका होना शानदार है।'' मिताली ने कहा, ''उसके पास विविध शॉट हैं और अगर वह लय में आती है तो इस तरह के प्रारूप में बेहद प्रभावी हो सकती है। अगर वह लय में आती है तो काफी तेजी से रन बना सकती है। इसी को देखते हुए उसके पदार्पण का अवसर दिया गया।'' उन्होंने कहा, ''जब हमें पता चला कि यह इस्तेमाल किया हुआ विकेट है और इस पर इतनी मूवमेंट नहीं होगी तो हमने सोचा कि उसे पदार्पण कराना सही रहेगा और वह उम्मीदों पर सही साबित हुई।''

ऑस्ट्रेलिया दौरे में वाका की नई पिच पर दिन-रात्रि टेस्ट खेलेगी भारतीय महिला टीम

मेलबर्न (ए)। भारतीय महिला टीम इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीमों के साथ दिन-रात्रि का एक टेस्ट मैच खेलेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार यह मैच वाका की नई पिच पर होगा। यह पहली बाहर है जब ऑस्ट्रेलिया किसी टेस्ट मैच के लिए भारतीय महिला टीम की मेजबानी करेगा। भारतीय महिला टीम सितंबर-अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगीकरेगी जिसमें वह एक दिन रात्रि टेस्ट मैच, तीन वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट संचालन प्रमुख पीटर रोच ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में सभी पुरुष और महिला टेस्ट मैचों के लिये नई पिच तैयार की जाती है और इस सत्र में भी यही होगा। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि हाल में महिला क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ा है और यह अहम है कि हम इसे जारी रखने के लिए बेहतर मंच प्रदान करें।

21वीं सदी के सबसे महान बल्लेबाज चुने गए सचिन

मुंबई (ए)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर 21वीं सदी के सबसे महान बल्लेबाज चुने गए हैं। सचिन ने इस अवार्ड की दौड़ में श्रीलंकाई बल्लेबाज कुमार संगकारा को पीछे छोड़ दिया। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज सचिन और श्रीलंकाई बल्लेबाज संगकारा को एक बराबर अंक मिले पर ज्यादा जूरी सदस्यों की सूची में आने के कारण सचिन विजेता बने। भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल में दूसरे दिन यह घोषणा की गई। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक पलों का जश्न मनाने के लिए 21वीं सदी के अब तक के सबसे महान खिलाड़ी को चुनने का कार्यक्रम रखा गया था। इसके पीछे लक्ष्य यह था कि दिग्गज क्रिकेटरों से लेकर दुनिया भर के वरिष्ठ खेल पत्रकारों, प्रसारकों, सांख्यिकीविदों, विश्लेषकों, एंकरों और पूरे क्रिकेट समुदाय को एक साथ लाया जाये। इसमें चार श्रेणियों के तहत बल्लेबाज, गेंदबाज, ऑलराउंडर और कप्तान में से एक महान खिलाड़ी का चयन हुआ। इसके लिए बल्लेबाज के तौर पर सचिन तेंदुलकर, स्टीवन स्मिथ, कुमार संगकारा, जैक कैलिस, गेंदबाज के लिए मुथैया मुरलीधरन, शेन वॉर्न, डेल स्टेन, ग्लेन मैक्ग्रा, ऑलराउंडर श्रेणी में जैक कैलिस, बेन स्टोक्स, एंड्रयू फ्लिंटॉफ, रविचंद्रन अश्विन और कप्तान श्रेणी में स्टीव वॉ, ग्रीम स्मिथ, रिकी पोंटिंग और विराट कोहली को नामांकित किया गया है। इन नामांकित खिलाड़ियों में से महान खिलाड़ियों को चुनने के लिए 50 सदस्यीय जूरी का गठन किया गया, इसमें महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर, इयान बिशप, हरभजन सिंह, शेन वॉटसन, स्कॉट स्टायरिस, गौतम गंभीर और प्रसिद्ध खेल पत्रकार और कोच शामिल किये गये।

गावस्कर ने शुभमन की जमकर प्रशंसा की, आने वाले समय में कई शतक लगायेंगे

नई दिल्ली (ए)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारतीय टीम के युवा सलामी शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि शुभमन ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की पहली पारी में भले ही 28 रन ही बनाये हैं पर उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही। गावस्कर ने कहा कि शुभमन ने जिस तरीके से बल्लेबाजी के दौरान शॉर्ट और स्विंग होती गेंदों का सामना किया उसे ये तो तय है कि कि आने वाले समय में वह बेहतर बल्लेबाज बनेंगे। गावस्कर ने कहा कि सिर्फ पहले शतक की बात है, अगर शुभमन ऐसा करने में सफल हो जाते हैं, तो फिर आगे वो भारत के लिए कई शतक लगा सकते हैं। इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि किसी भी बल्लेबाज के लिए पहला शतक हमेशा ही कठिन होता है क्योंकि अर्धशतक से लेकर तीन अंकों के आंकड़े तक पहुंचने का सफर आसान नहीं होता है। बल्लेबाज 70-80 रन बनाने के बाद ऐसा समझता है कि उसकी आंखें पूरी तरह से जम गई है। इसके बाद बल्लेबाजों के खिलाफ तेज शॉट्स खेलना शुरू कर देता है। कई बार इसी चक्कर में बल्लेबाज अपना विकेट गंवा देते हैं। शुभमन को बस एक शतक की दरकार है, इसके बाद तो उन्हें रोकना आसान नहीं रहेगा। रोहित और शुभमन ने जिस तरह से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के खिलाफ पारी की शुरुआत की। उसकी सिर्फ गावस्कर ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर ने भी जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुझे याद नहीं इन दोनों से पहले कब किसी भारतीय सलामी जोड़ी ने शॉर्ट गेंदों को इतने बेहतर तरीके से खेला हो।

डब्लयूटीसी फाइनल में खराब अंपायरिंग को लेकर भड़के विराट

साउथैम्पटन (ए)। न्यूजीलैंड के साथ जारी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में अंपायरिंग को लेकर भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली सहित कई पूर्व खिलाड़ियों ने उठाये हैं। इस मैच में न्यूजीलैंड के अपील नहीं करने पर भी अंपायर ने जिस प्रकार के रिव्यू के लिए कहा उससे विराट हैरान हैं। इस मामले में कई प्रशंसकों ने अंपायरों को ट्रोल भी किया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण मिलने के बाद भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 62 रन जोड़े थे।

भारतीय टीम का पहला विकेट सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का गिरा। रोहित को काइल जैमिसन ने टिम साउदी के हाथों कैच कराया। रोहित के पेवेलियन लौटने के एक रन बाद ही शुभमन भी वेगनर का शिकार बने। शुभमन ने 28 रन बनाये थे। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए आये कप्तान विराट कोहली ने तीसरे विकेट के लिए चेतेश्वर पुजारा के साथ 25 रन बनाये। यह साझेदार पनप ही रही थी कि ट्रेंट बोल्ट ने पुजारा को आउट कर दिया। पुजारा केवल 8 रन ही बना पाये। पुजारा के आउट होने के बाद विराट ने उपकप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ मोर्चा संभाला और स्कोर को आगे बढ़ाना शुरु किया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 58 रन बनाये पर पारी के 41वें ओवर में बोल्ट की अपील को अंपायर ने ठुकरा दिया। बोल्ट और कीवी टीम को भरोसा था कि लेग साइड की ओर जा रही गेंद कोहली के बल्ले से लगकर विकेटकीपर के पास गयी है। उसपर कप्तान केन विलियमसन डीआरएस लेने की सोच रहे थे पर तभी टाइम आउट हो गया।

इसी दौरान अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने अपने सहयोगी अंपायर माइकल गॉफ से बात करने के बाद रिव्यू ले लिया। रिप्ले में साफ नजर आया कि बल्ले का गेंद से कोई संपर्क ही नहीं हुआ था। भारतीय कप्तान इस बात से हैरान थे कि जब न्यूजीलैंड ने रिव्यू लिया ही नहीं तो फिर थर्ड अंपायर का रुख क्यों किया गया।

इंग्लैंड के साथ ड्रॉ टेस्ट में छायी रही युवा भारतीय महिला क्रिकेटर

लंदन (ए)। भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड के साथ हुआ एकमात्र टेस्ट मैच ड्रॉ रहा है। इस मैच में पदार्पण करने वाली भारतीय क्रिकेटरों का प्रदर्शन अच्छा रहा। इस मैच में पांच भारतीय खिलाड़ियों ने एक साथ पदार्पण करते हुए अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की महिला टीम ने 9 विकेट पर 396 रन पर अपनी पहली पारी घोषित की थी। जिसके जवाब में भारतीय टीम के अपनी पहली पारी में केवल 233 रन बना पायी थी। इसके बाद फॉलोऑन खेलते हुए भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट पर 344 रन बनाकर मैच ड्रॉ करा दिया। इस टेस्ट में डेब्यू करने वाली युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मैन ऑफ द मैच रही। शेफाली ने पहली पारी में 96 रन जबकि दूसरी पारी में 63 रन बनाये। शेफाली टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 50 से अधिक रन बनाने वाली भारत की पहली महिला बल्लेबाज बनी हैं। शेफाली यह उपलब्धि हासिल करने वालीं विश्व की चौथी महिला बल्लेबाज भी बनी हैं।

आरवी 400 इलेक्ट्रिक बाइक हो गई सस्ती

नई दिल्ली (ए)। दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी रेवोल्ट मोटर्स ने अपनी आरवी 400 इलेक्ट्रिक बाइक को सस्ता कर दिया है। पहले रेवोल्ट आरवी 400 की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 1,18,999 रुपये थी। अब इसकी दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 90,799 रुपये हो गई है। दूसरे शहरों में इसकी कीमत 1,06,999 रुपये है। यानी, सबसे ज्यादा दिल्ली में इसकी कीमतों में कटौती हुई है। कंपनी ने इसकी कीमतों में 28,200 रुपये की कटौती की है। हालांकि, कंपनी ने रेवोल्ट आरवी 300 की कीमतों में कटौती का अभी कोई ऐलान नहीं किया है।बता दें कि रेवोल्ट ने जून 18, 2021 से अपनी आरवी 400 और आरवी 300 जैसी मोटरसाइकिलों की दोबारा से बुकिंग शुरू की है। कंपनी ने दिल्ली, मुंबई, पुणे, चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे 6 शहरों में इसकी बुकिंग शुरू कर दी है। केंद्र सरकार ने हाल ही में फेम टू नीति में संशोधन किया, जिसके कारण पहले के मुकाबले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर ज्यादा सब्सिडी मिलने लगी है। दरअसल, पहले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 10,000 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच की सब्सिडी मिलती थी। लेकिन, अब फेम टू नीति में संशोधन के बाद 15,000 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच तक की सब्सिडी मिल रही है।

वैश्विक बाजारों में मजबूती से स्थानीय तेल तिलहन की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली (ए)। पिछले सप्ताह वैश्विक बाजारों में सुधार के रुख के बीच स्थानीय तेल तिलहन बाजार में सोयाबीन डीगम, सीपीओ, पामोलीन और सरसों तेल तिलहन के भाव लाभ के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने बताया कि विदेशी बाजारों में मजबूती के कारण सोयाबीन डीगम के भाव में 40 रुपए, सीपीओ में 30 रुपए, पामोलीन दिल्ली और पामोलीन कांडला में 50-50 रुपए प्रति क्विन्टल का सुधार आया। सामान्य कारोबार के बीच बाकी अन्य तेल तिलहनों के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। सरसों तेल की मांग कमजोर होने के बाद भी सरसों तेल, सरसों बीज में सुधार आया क्योंकि किसान नीचे भाव पर बिक्री करने से कतरा रहे हैं और मंडियों में कम फसल की आवक है। खाद्य नियामक, एफएसएसएआई ने आठ जून से सरसों में किसी भी अन्य सस्ते तेल की मिलावट रोकने का आदेश दे रखा है और खाद्य नियामक के द्वारा मिलावट की जांच करने के लिए पूरे देश में नमूने एकत्र करने का अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सोयाबीन उत्पादक राज्यों, विशेषकर मध्य प्रदेश में सोयाबीन के बेहतर बीज किस्म की भारी कमी है। किसानों को बीज के लिए सोयाबीन के बेहतर दाने की 100-110 रुपए किलो के भाव भी सोयाबीन बीज नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों की इस किल्लत को दूर करने के लिए बेहतर दाने का इंतजाम करना चाहिए और ऐसा होने पर सोयाबीन की अगली पैदावार बेहतर होने की संभावना है। बाजार में थोक भाव प्रति क्विंटल इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 7,125 - 7,175 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए। मूंगफली दाना-5,745-5,890 रुपए। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 14,200 रुपए। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,180-2,310 रुपए प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 14,100 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2,275-2,325 रुपए प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2,375-2,475 रुपए प्रति टिन।

पंजाब और हरियाणा में बने उत्पादों की भारी मांग: अमेजन

चंडीगढ़ ए)। अमेजन इंडिया ने कहा कि पंजाब और हरियाणा में बनाए गए हौजरी, खेल के सामान और अन्य उत्पादों की ?विदेशी बाजारों में भारी मांग दिख रही है। कंपनी ने कहा कि उसका प्रमुख ई-कॉमर्स निर्यात कार्यक्रम ग्लोबल सेलिंग सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रमों के लिए अपने कारोबार का विस्तार करने और देश में कहीं से भी अपने ब्रांड को वैश्विक स्तर पर पेश करने के लिए प्रवेश बाधा को कम करता है। अमेज़न ने कहा ?कि देश के विभिन्न हिस्सों से 70,000 से अधिक निर्यातकों के साथ, यह कार्यक्रम व्यवसायों के विकास के अवसर के रूप में उभरा है। अमेजन इंडिया के निदेशक वैश्विक व्यापार अभिजीत कामरा का कहना है ?कि इस निर्यात कार्यक्रम ने पूरे भारत के हजारों निर्यातकों को महामारी के पिछले 18 महीनों के दौरान विश्व स्तर पर लोगों की सेवा करते हुए अपने व्यवसाय को बनाए रखने और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा ?कि हम वैश्विक ग्राहकों से परिधान, हौजरी, खेल के सामान और अन्य उत्पादों और पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में निर्मित उत्पादों के लिए एक बड़ी मांग देखते हैं। हम वास्तव में मानते हैं कि अमेजन ग्लोबल सेलिंग द्वारा पेश किए गए टूल और तकनीक के सही सेट के साथ इस क्षेत्र के निर्यातक यहीं से उपभोक्ताओं को वैश्विक ब्रांड उपलब्ध करा सकते हैं। कंपनी ने कहा कि पंजाब और हरियाणा में प्रमुख विनिर्माण और निर्यात समूहों से एमएसएमई अब मौजूदा निर्यात कारोबार बढ़ा सकते हैं और अमेजन के ग्लोबल सेलिंग कार्यक्रम के माध्यम से नए उद्यम शुरू कर सकते हैं।

24 जून को लॉन्च होंगे रियलमी मोबाइल्स और टीवी

नई दिल्ली (ए)। रियलमी इंडिया के सीईओ माधव सेठ ने कंफर्म कर दिया है कि कंपनी 24 जून को इवेंट का आयोजन करने वाली है और इवेंट के दौरान दौरान दो नए रियलमी मोबाइल्स और एक नए रियलमी टीवी को उतारा जाएगा। रियलमी 24 जून को नार्जो 30 और नार्जो 30 के 5जी मॉडल को भारत में ग्राहकों के लिए लॉन्च करेगी। इसी के साथ 32 इंच का रियलमी स्मार्ट टीवी भी इसी दिन लॉन्च इवेंट के दौरान लॉन्च किया जाएगा। रियलमी नार्जो 30 को मई में मलेशिया तो वहीं इसके 5जी मॉडल को भी मई में ही यूरोप में उतारा गया था। ऐसा कहा जा रहा है कि रियलमी नार्जो 30 5जी का भारतीय वेरिएंट यूरोप में लॉन्च हुए मॉडल से थोड़ा अलग हो सकता है। बता दें कि लॉन्च इवेंट 24 जून दोपहर 12ः30 बजे शुरू होगा। इस सीरीज के ये पहले स्मार्टफोन्स नहीं है, इससे पहले रियलमी नार्जो 30 प्रो और रियलमी नार्जो 30 ए को भारत में लॉन्च किया जा चुका है। टीजर से इस बात का संकेत मिला है कि रियलमी नार्जो 30 और रियलमी नार्जो 30 5जी स्मार्टफोन को होल-पंच डिस्प्ले के साथ उतारा जा सकता है। कटआउट स्क्रीन के बायीं तरफ नजर आ रहा है। जैसा कि हमने आपको बताया कि यह हैंडसेट मलेशिया में पहले ही उतारा जा चुका है तो ऐसे में फोन के फीचर्स के बारे में पता है। फोन में 6.5 इंच फुलएचडी+ (1080म2400 पिक्सल) डिस्प्ले है और इसका रिफ्रेश रेट 90 हर्ट्ज़ है। स्पीड और मल्टीटास्किंग के लिए मीडियाटेक हीलियो जी95 ऑक्टा-कोर चिपसेट है। नार्जो 30 में तीन रियर कैमरे दिए गए हैं, 48 मेगापिक्सल प्राइमरी कैमरा, साथ में 2 मेगापिक्सल मैक्रो और 2 मेगापिक्सल ब्लैक ऐंड वाइट कैमरा सेंसर को जगह मिली है। सेल्फी के लिए 16 मेगापिक्सल सोनी आईएमएक्स 471 फ्रंट कैमरा दिया गया है।रियलमी नार्जो 30 के 6 जीबी रैम और 128 जीबी वेरिएंट की मलेशिया में कीमत एमवायआर 799 (लगभग 14,100 रुपये) है तो वहीं यूरोप में रियलमी नार्जो 30 5जी के 4 जीबी रैम और 128 जीबी वेरिएंट का दाम 219 यूरो (लगभग 19,400 रुपये) है।

विप्रो ने इस साल दूसरी बार कर्मचारियों का वेतन बढ़ाया

नई दिल्ली (ए)। प्रमुख आईटी सेवा कंपनी विप्रो ने अपने कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की घोषणा की। यह इस साल में दूसरी बार है जब उसने कर्मचारियों की सेलरी बढ़ाई। इससे कंपनी के करीब 80 फीसदी कर्मचारी लाभान्वित होंगे। यह वेतन वृद्धि 1 सितंबर 2021 से प्रभावी होगी। कंपनी ने कहा कि विप्रो बैंड बी3 तक सभी पात्र कर्मचारियों के लिए योग्यता के आधार पर वेतन वृद्धि (एमएसआई) की प्रक्रिया शुरू करेगी जो 1 सितंबर से प्रभावी होगी। जनवरी 2021 में कंपनी ने इस श्रेणी के अपने कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा की थी। कंपनी के कुल कार्यबल में इस श्रेणी के कर्मचारियों की हिस्सेदारी करीब 80 फीसदी है। विप्रो ने कहा कि सी1 बैंड के सभी पात्र कर्मचारियों को 1 जून से प्रभावी वेतन वृद्धि मिलेगी। कंपनी ने कहा कि औसतन यह वेतन वृद्धि ऑफ शोर कर्मचारियों के लिए ऊचे एकल अंक में होगी जबकि ऑनसाइट कर्मचारियों के लिए यह मध्य एकल अंक में होगी। कंपनी शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को अधिक वृद्धि का तोहफा देगी। विप्रो ने कहा कि हम सही कौशल वाले लोगों को कौशल आधारित बोनस भी दे रहे हैं और यह पहले से ही चल रहा है। कंपनी आपूर्ति पक्ष की मजबूती को बरकरार रखने के लिए परिसरों से भी नियुक्तियां करेगी।

नैनो न्यूज

मंत्री ओ पी एस भदौरिया ने पत्रकारों से चर्चा की'

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री एवं जिले के कोविड प्रभारी मंत्री ओपीएस भदौरिया ने भिण्ड जिले में टीकाकरण महाअभियान के संबंध में जिला पंचायत के सभागार में पत्रकारों से चर्चा कर जानकारी प्रदान की। साथ ही पत्रकारों से टीकाकरण करवाने हेतु लोगों को जागरूक करने में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, एसपी मनोज कुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ जेके जैन, एडीएम प्रवीण फुलपगारे, डीएसपी श्री मोतीलाल कुशवाह, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अलीगंज पर गठित महिला पुलिस रिपोर्टिंग चौकी पर पिछले 3 दिनों में दो टूटते परिवारों का समझौता कराकर किया एक साथ विदा

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा। जैसा कि सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश सरकार महिला एवं बच्चों संबंधी अपराधों में काफी गंभीरता पूर्वक रहते हुए नित नए कानून बना रही है, इसी क्रम में शासन की मंशानुरूप सभी जिलों के अंतर्गत महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकियों का गठन किया गया है, जिसमें महिला संबंधी अपराधों की गंभीरता पूर्वक एवं समयबद्ध सूचना अंकित कर महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के थाना अलीगंज पर अभी हाल ही में बनाई गई महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक शांति देवी द्वारा विगत 3 दिनों में ऐसे दो परिवारों को जो आपसी मनमुटाव के कारण लगभग टूटने की कगार पर थे, उन दोनों परिवारों का उपनिरीक्षक शांति देवी द्वारा काउंसलिंग कर आपसी मतभेद भुलाकर एक साथ रहने को राजी किया गया है। जिसमें 17 जून को अंजना पत्नी विपिन निवासी नगला मोहन थाना अलीगंज जनपद तथा रविबार को रजनी पत्नी अनारसिंह निवासी चमन नगरिया थाना अलीगंज के मामलों में दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर एक साथ रहने को राजी किया गया है तथा आपसी सहमति से दोनों ही परिवारों को सकुशल विदा किया गया है। जनपद पुलिस द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास निश्चित रूप से आज के समाज में पुलिस की छवि को और भी सकारात्मक दिशा प्रदान करने वाले हैं, टूटते दाम्पत्य जीवन को फिर से एक माला में पिरोने का जो कार्य पुलिस द्वारा किया जा रहा है, परिजनों एवं आमजन द्वारा उसकी भूरि भूरि प्रशंसा की जा रही है।

बसों को नहीं मिल रहे यात्री, संचालक अब अपना रहे यह तरीका

भोपाल (ए)। प्रदेश के अनलॉक होने के बाद भी पर्याप्त यात्री न मिलने के कारण अधिकतर निजी बसों के पहिए अब भी थमे हुए हैं। आरटीओ में लगातार टैक्स माफी के लिए बस मालिक आवेदन दे रहे हैं। वे यात्रियों के न मिलने के कारण बस का परिचालन अभी नहीं करना चाहिए। बता दें कि कोरोना की दूसरी लहर की आक्रमकता को देखते हुए लगभग ढाई माह से अधिकांश यात्री बसों का संचालन बंद रहा। 1 जून से मप्र अनलॉक हो चुका है। इसके बावजूद भी बस संचालक बसों के परिचालन में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। आरटीओ में लगातार बस मालिकों द्वारा टैक्स माफी के लिए आवेदन दिया जा रहा है। बस मालिकों का कहना है कि हर महीने बसों की सीटों की क्षमता के हिसाब से हजारों रुपए तक मासिक टैक्स आता है। जबकि आमदनी है नहीं। यात्री न मिलने एवं कोविड गाइडलाइन को देखते हुए बस संचालक आवेदन देकर टैक्स माफी की मांग कर रहे हैं। अधिकतर बसों का परिचालन न होने से चालक, कंडक्टर व क्लीनर आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। उनका कहना है कि पिछले लॉकडाउन ने वैसे ही कमर तोड़ दी थी। इसके बाद कोरोना की दूसरी लहर ने सब कुछ बर्बाद कर दिया। सभी का रोजगार छीन लिया है।

10 साल के अवि ने लिखा बालमुखी रामायण, देशभर के 120 विद्यार्थियों को पढ़ा रहे वैदिक गणित

अर्पित गुप्ता
पुष्पांजली टुडे

इंदौर / जहां पूरे देश में वैश्विक महामारी कोरोना के चलते सभी चीजों पर ब्रेक लग गया था।वहीं दूसरी तरफ शहर के बाल कलाकार अवि शर्मा देशभर के 120 विद्यार्थियों को आनलाइन वैदिक गणित पढ़ा रहे हैं. अवि का कहना है कि वैदिक गणित में 16 मुख्य सूत्र है और 13 उपसूत्र है. इसका अध्ययन करके संख्याओं का गुणा और भाग करना बहुत आसान हो जाता है. इसकी सहायता से गणित के सवालों को जल्दी हल कर सकते हैं।

अवी शर्मा ने कहा कि आइआइटी जेईई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कम से कम समय में सवालों का जवाब देना होता है. ऐसे में संख्याओं की गणना कुछ सेकंड में वैदिक गणित की जानकारी रखकर कर सकते हैं. इसमें 10वीं और 12वीं के भी कई विद्यार्थी सवालों को हल करने की गति बढ़ाने के लिए ऑनलाइन कक्षा में शामिल हो रहे हैं।11 साल के अवि कक्षा सातवीं में पढ़ते हैं और उन्होंने बालमुखी रामायण भी लिखी है. इसमें संपूर्ण रामायण से कुछ खास बातों को लिया गया है।इसमें हिंदी के 250 छंदों को शामिल किया गया है।

इस मामले में उनका कहना है कि मुझे रामायण और गीता पाठ करना अच्छा लगता है. इसमें शामिल ज्यादातर श्लोक और छंद याद हो गए हैं. पिछले साल लाकडाउन में बालमुखी रामायण लिखने की शुरुआत की थी. दो सप्ताह में अपनी स्कूल की कापी में इसे लिख दिया था। फिर इसे भोपाल के इंद्रा पब्लिकेशन से प्रकाशित करा ली. अब यह रचना आनलाइन

माध्यमों पर भी उपलब्ध है. अब यह रचना आनलाइन माध्यमों पर भी उपलब्ध है.

गौरतलब है कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अभी को प्रशंसा पत्र भेजा है. साथ ही कहा कि ऐसे बच्चे जो शुरू से ही अपने धर्म के प्रति जागरूक हैं और उसे बढ़ाने का काम कर रहे हैं ऐसे बच्चों को मैं साधुवाद देता हूँ।

सड़क निर्माण कार्य में लेटलतीफी की भेंट चढ़ सकती है स्कुल की संख्या, टीसी निकालने लगे बच्चे

घोटी घुसमारा,सिहारी, दिघोरी और रमपुरा के छात्रों और परिजनों ने जताई नाराजगी

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाथरगांव में शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर काफी अच्छा माना जाता है,जिस कारण से उक्त स्कूल में आस पास के गांव में घोटी घुसमारा, सिहारी, दिघोरी,अमेड़ा, रमपुरा,कलपाथरी,बाजारटोला झिंगुटोला और खजरी के लगभग 1500 छात्र शिक्षा प्राप्त करने जाते हैं। लेकिन सालों से जर्जर हालत का रोना रोती सड़क फिर अपनी बदहाली पर घड़ीयाल आंसू रो रही है,जिसका खामियाजा मासूम बच्चों को भुगतना पड़ता है। उक्त मार्ग लांजी गोंदिया पंहुच मार्ग के नाम से स्विकृत हुआ है , जिसका भूमिपूजन विधायक सुश्री हिना कावरे के द्वारा किया गया था। और इसके लिए ठेका भी दे दिया गया है। वहीं ठेकेदार के द्वारा मई 2020 में ही कार्य प्रारंभ किया गया है,लेकिन ठेकेदार द्वारा उक्त कार्य में लेट लतीफी की जा रही है। जिस कारण पालक स्कुल से टीसी निकालने की बात कर रहे हैं।

आखिर कब तक चलती रहेगी वैकल्पिक व्यवस्था: पाथरगांव स्कुल पंहुच मार्ग पर पुर्व में वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में चुनखडी बिछाई गई थी, किंतु वह भी जमींदोज हो गई है। ऐसे में वैकल्पिक व्यवस्था कोई उचित विकल्प नहीं है। वहीं सड़क पर पानी निकासी के लिए बिछाएं गए पाइप के उपर इतनी ऊंचाई पर मिट्टी डाल दिया गया है कि सायकिल चालक, दुपहिया वाहन चालक गिर जाते हैं तो वहीं चौपहिया वाहन के चेचिस भी टकराते हैं।

क्या होगा सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ या पालक निकालेंगे टीसी: सड़क निर्माण के लिए 2018 से लड़ाई लड़ रहे छात्रों और पालकों को बस सांत्वना का लिफाफा मिल जाता है, फिलहाल सभी सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ हो इसी उम्मीद में हैं। यदि सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो सैकड़ों बच्चे अपनी टीसी निकाल कर दुसरे स्कुल में पढ़ने जा सकतें हैं।

पीडब्ल्यूडी के फंड के कारण रूका कार्य- सम्राट सिंह सरसवार ठेकेदार: उक्त मार्ग के ठेकेदार सम्राट सिंह सरसवार ने रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट से फोन पर चर्चा कर बताया कि पीडब्ल्यूडी में फंड की कमी के कारण 3-4 महिने से बिल रूकें है, और हमसे जितना हो सका कार्य किया है। बिल निकलते ही कार्य में गति प्रदान की जाएगी। वहीं ठेकेदार सम्राट सिंह सरसवार ने सकारात्मक ऊर्जा के साथ कहा कि सवाल छात्र हित का है तो हम स्कुल पंहुच मार्ग पाथरगांव से सिहारी तक लगभग 2 किलोमीटर पुर्ण करेंगे।

निजी स्कूल सिर्फ शिक्षण शुल्क लें, फीस न बढ़ाएं

स्कूल मांग रहे सालभर की पूरी फीस, अभिभावक परेशान

भोपाल। कोरोना काल में जहां आम आदमी की कमर टूट गई है वहीं निजी स्कूल अभिभावकों से सालभर की पूरी फीस की मांग कर रहे हैं। इससे अभिभावक परेशान हो रहे हैं। निजी स्कूलों की ऑनलाइन कक्षाएं 15 जून से शुरू कर दी गई है, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने ऑनलाइन कक्षा से ऐसे बच्चों को हटा दिया है, जिनके अभिभावकों द्वारा फीस जमा नहीं की गई। इस कारण बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। शासन और स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से इस बारे में कोई स्पष्ट आदेश जारी नहीं किया गया है। इसका फायदा भी स्कूल संचालक उठा रहे हैं। हालांकि इस सत्र में भी पहली से आठवीं तक के स्कूल खुलने की संभावनाएं कम हैं। वहीं राजधानी के निजी स्कूलों ने इस सत्र से फीस में 40 से 50 फीसद तक की वृद्धि कर दी है। अब अभिभावकों पर फीस जमा करने का दबाव डाला जा रहा है। यह तब है, जबकि कोराना काल में अभिभावक आर्थिक तंगी से परेशान हैं। पिछले सत्र में शासन ने सिर्फ शिक्षण शुल्क देने के आदेश दिए थे। वहीं इस सत्र में कोई स्पष्ट आदेश जारी ना होने से स्कूल प्रशासन शिक्षण शुल्क के साथ-साथ एनुअल चार्ज, नामांकन शुल्क, कंप्यूटर शुल्क और स्पोर्ट्स शुल्क तक वसूल रहे हैं। राजधानी के सागर पब्लिक स्कूल, डीपीएस, सेंट पॉल हासे स्कूल सहित अन्य स्कूलों ने फीस में बढ़ोतरी कर दी है। पालक महासंघ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर निजी स्कूलों द्वारा फीस में वृद्धि नहीं

करने और सिर्फ शिक्षण शुल्क लिए जाने की मांग की है। पालक महासंघ ने लिखा है कि इस साल भी शासन स?कूलों को सिर्फ शिक्षण शुल्क लेने के आदेश जारी करे। अभी भी आठवीं कक्षा तक स्कूल खुलने की संभावना कम है। अगर खुलेंगे भी तो सभी सुविधाओं के साथ स्कूल संचालित होना संभव नहीं है, इसलिए शासन इस सत्र के लिए भी फीस से संबंधित आदेश जारी करे। फीसवृद्धि पर रोक के लिए फीस कमेटी बन गई है, लेकिन इसके नियम लागू किए जाएं। उधर सागर पब्लिक स्कूल द्वारा विद्यार्थियों की अभिभावकों से ज्यादा फीस वसूली के मामले में उच्च न्यायालय ने स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव, लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी व सीबीएसई को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। पिछले साल लॉकडाउन में शासन स्तर पर लॉकडाउन अवधि में सिर्फ शिक्षण शुल्क लेने के आदेश हुए थे। इसके बावजूद सागर पब्लिक स्कूल की ट्यूशन फीस के अलावा अन्य मदों में फीस वसूली की शिकायत मिली थी। इस मामले को लेकर माय पैरेंट्स एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रबोध पंड्या का कहना है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस कम नहीं की गई। इस संबंध में विभाग के अधिकारियों के पास शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसे लेकर हाईकोर्ट में अवमानना याचिका लगाई। जिसे लेकर हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव समेत आला अधिकारियों से चार सप्ताह में जबाव मांगा है। इस बारे में स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार का कहना है ?कि अगर स्कूल नहीं खुलेंगे तो सिर्फ शिक्षण शुल्क के संबंध में आदेश जारी किए जाएंगे। अगर किसी स्कूल ने दस फीसद से अधिक फीस बढ़ाई है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। निजी स्कूलों से फीस का चार्ट मांगा गया है, जिसका जिला प्रशासन और जिला शिक्षा अधिकारी से निरीक्षण कराएंगे।

लहार एस.डी.एम एवम एस.डी.ओ.पी से प्रेरणा पाकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने बृद्धा आश्रम में लगबाया बाटर कूलर

ब्रद्धो की सेवा करने से मिलती है मन को शांति-एस.डी.एम

लहार(अर्पित गुप्ता) एस.डी.एम आर.ए प्रजापति एवम एवम एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल की जुगल जोड़ी अब लहार में सामाजिक कार्यो के साथ साथ धार्मिक कार्यो में भी अपनी सहभागिता बढ़ाती जा रही है और वह हर दिन बृद्धाश्रम लहार के लिए कुछ न कुछ नया सोचते रहते है और उन्होंने कुछ दिन पहले नगर पालिका लहार से इस भीषण गर्मी में ब्रद्धो को निजात दिलाने के लिए कूलर लगबाये ओर उनकी जिज्ञासा का अभी अंत नही हुआ और उन्होंने बर्द्धजनों के लिए ठंडे पानी की ब्यबस्था हेतु स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर एल.आर मीणा से आग्रह कर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सौजन्य

से बृद्धाश्रम लहार में बाटर कूलर लगबाया इस मौके पर एस.डी. एम आर.ए प्रजापति,एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल ने मौके पर पहुँचकर बृद्धाश्रम में लगे बाटर कूलर का शुभारंभ किया इस मौके पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर एल.आर मीणा,बी.आर.सी शैलेन्द्र सिंह,नगर पालिका सी.एम.ओ महेंद्र सिंह एवम समस्त बैंक स्टाफ मौजूद रहा इस मौके पर एस.डी.एम महोदय बोले कि मेरे जेहन में हरदम हरपल बुजुर्गों का दर्द का एहसास रहता है और उनके लिए हरसंभव प्रयास जो में कर सकता हूँ करता हूँ आगे उन्होंने कहा कि ब्रद्धो की सेवा करने से मेरे मन को शांति मिलती है और में हमेशा बर्द्धजनों के लिए कुछ न कुछ करने का प्रयास करता रहूंगा ।

आवर्त नामक मेघ कराएगा तूफानी बारिश जंबूक वाहन पर सवार होकर आएगी बारिश

पांच ग्रहों की स्थिति बदलने से बनेंगे झमाझम बारिश के योग

भोपाल। इस महीने दो दिन में पांच ग्रहों की स्थिति में बदलाव होने जा रहा है। सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, चंद्रमा अपनी चाल एवं राशि बदलेंगे। 22 जून को आर्द्रा प्रवेश होगा। इसके एक दिन पूर्व गुरु वक्री होंगे तो एक दिन बाद शुक्र राशि परिवर्तन करेंगे। इस परिवर्तन के प्रभाव से भूमि हलचल, प्रभावी हवाएं एवं प्राकृतिक प्रकोप के साथ मंगल का प्रभाव बिजली, अग्नि गिरने व वर्षा की अधिकता का निर्माण करता है। उपरोक्त ग्रह योग के प्रभाव होने से षड्श्री ग्रहण योग भी बनेगा। इसमें मंगल राजनीतिक, भूमि से संबंधित किसानी एवं सेना से संबंधित परिश्रम एवं परेशानियां निर्मित करने के संकेत देता है। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक ग्रह स्थिति के अनुसार दो दिनों में पांच ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन संकट योग का प्रभाव देने में सक्षम है। दो दिनों में पांच ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन इस प्रकार से होगा। 21 तारीख सोमवार को दिन में 12.03 पर गुरु वक्री होंगे। 21 जून शुक्रवार की रात्रि 12 बजे मिथुन राशि छोड़कर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। इसके पश्चात 22 जून मंगलवार को चंद्रमा प्रात: 6.33 पर वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। इसी दिन दोपहर 1.8 पर सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। पश्चात वक्री बुध शाम 7.20 पर मार्गी होंगे। चार ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन होने से बनने वाले योग राजनीतिक, धार्मिक एवं सामाजिक समरसता भंग करने में अक्षम होते हैं। उपरोक्त ग्रह स्थिति के प्रभाव सभी क्षेत्रों में परिलक्षित होंगे। न्याय के देवता शनिदेव पूर्व से वक्री चाल चल रहे हैं, अत: न्याय व्यवस्था में कसावट होगी। गुरु के वक्री होने से धार्मिक हलचल बढ़ेगी। शुक्र के मार्गी होने से सौंदर्य प्रसाधन, आराम, भोग विलास को बल प्राप्त होगा। विगत दिनों से उलटी चाल चल रहे व्यापारिक ग्रह बुध के मार्गी होने से व्यापार व्यवस्था को गति प्राप्त होगी। भगवान भास्कर के आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश के दौरान ग्रहण गति योग हवाओं की गति से जहां भारी नुकसान करा सकता है, वहीं मंगल का प्रभाव वर्षा के दौरान बिजली गिरने की अधिकता देगा।

ग्रामीण क्षेत्र में जरूरतमंदो को खाद्य सामग्री कीट व मास्क बाँट कर लोगों को जागरूक किया

नेनाराम सिरवी ब्यूरो चीफ
पुष्पांजली टुडे

पाली । पाली ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में कोराना जन जागरूकता अभियान चलाया गया पाली ब्लॉक के रूपावास भांवरी मनिहारी सहित ग्रामीण क्षेत्रों मेंआजणा पटेल के सेवा भावी समाज सेवी हरिभाई पटेल के नेतृत्व में लगातार प्रतिदिन कोरोना वायरस रोकथाम बचाव को लेकर जरूरतमंदो बेरोजगार कच्ची बस्तीयो के गरीब परिवारों को गॉवो व घरों मे जाकर खाद्य सामग्री कीट व मास्क सैनेटाइजर वितरित किया कोरोना वायरस के प्रति लोगों को संदेश दिया है कि अभी कोरोना महामारी की दुसरी लहर खत्म नहीं हुई। हमें और सतर्कता बरतनी होगी। वर्तमान

महामारी के चलते हम स्वयं को जागरूक रहकर दूसरों को जागरुक करना होगा और अपने का ख्याल रखकर अपने परिवार के साथ साथ औरों का भी हमें ख्याल रखना होगा।जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन चिकित्सा विभाग के आदेश की पूरी पालना करनी होगी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करना होगा। कोरानावायरस से सुरक्षित रखने के लिए सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक बंदोबस्त किए जा रहे हैं जिसमें हमें सरकार के हर निर्देश की पालना के अनुसार हमें कार्य करना होगा।पटेल ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते चिकित्सा विभाग की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना बचाव के लिए संचालित किए जा रहे टीकाकरण कैंप के दौरान ज्यादा से ज्यादा टीके लगवाए और दूसरों को भी टीके लगाने के लिए प्रेरित करें। कोरोना के प्रति जन जागरूकता अभियान के तहत मास्क सैनेटाइजर का प्रयोग करने को लेकर लोगों को जागरूक किया ।

धर्मवीर सिंह जिलाध्यक्ष मनोनीत

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा(महाराणा प्रताप)के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष देशराज सिंह सिकरवार की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह भदौरिया(एडवोकेट)ने भारतीय जीवन

बीमा के वरिष्ठ अभिकर्ता धर्मवीर सिंह भदौरिया (मसूरी)को भिण्ड का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह भदौरिया ने कहा कि वह हमेशा समाज सेवा का कार्य करते रहेंगे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह भदौरिया को उनके मनोनीत होने पर बधाई देने वालो में शशिभूषण सिंह चौहान, राजेश सिंह भदौरिया, सबल सिंह भदौरिया, संजय सिंह चौहान, संदीप सिंह तोमर, आनन्द सिंह चौहान, आदि।

भारतीय जनता पार्टी आज विश्व योग दिवस मंडल स्तर पर मनाएगी

ग्वालियर। कोरोना काल का ध्यान में रखते हुए कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए, कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कार्य करें, कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान को प्रभावी रूप से सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ता जन जागरण अभियान चलाकर टीकाकरण अभियान को सफल बनाएं। यह बात आज ग्वालियर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने होटल अतिथि इन में अपेक्षित श्रेणी के कार्यकर्ताओं की बैठक में कही। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह, कैबिनेट मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रदेश मंत्री मदन कुशवाह, पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल, शरद गौतम मंचासीन थे। भाजपा जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी ने 21 जून से शुरू होने वाले इन कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की, जिनमें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस, आपातकाल की बरसी, प्रत्येक बूथ वेक्सीनेशन युक्त, प्रत्येक बूथ पर पौधरोपण, स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

इस तरह होगे कार्यक्रम

21 जून: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को प्रत्येक मंडल में दो स्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा प्रबुद्धजन तथा राजनीतिक लोग भी कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का जिला प्रभारी श्यमानंद शुक्ला को और मंडल प्रभारी जवाहर प्रजापति, जगत कौरव, मनीष तोमर, सोमेश महंत, विनोद अस्टैया, सत्येंद्र गुप्ता, पवन गणफुले, मनीष दीक्षित, नूतन श्रीवास्तव को बनाया गया है।

23 जून: डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर 23 जून को पार्टी के झंडे-बैनर लगाकर प्रत्येक बूथ पर श्रद्धांजल अर्पित की जाएगी। विचार गोष्ठियां एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें डॉ. मुखर्जी के विचारों, व्यक्तित्व एवं उनके योगदान पर संबोधन होंगे। पौधरोपण के कार्यक्रम शुरू होंगे, जो 06 जुलाई तक चलेंगे। इस दौरान प्रत्येक बूथ पर 11 पौधे लगाए जाएंगे। 23 जून से ही 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' की थीम पर स्वच्छता अभियान शुरू किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के जिला प्रभारी श्री अशोक जादौन सहप्रभारी मुरारी मित्तल और मंडल प्रभारी विनोद शर्मा, राकेश खुरासिया, धर्मेंद्र राणा, आर के गुप्ता, गिर्राज कंसाना, धर्मेंद्र कुशवाह, रमाकांत महते, मनोज तोमर,राजू सेंगर को बनाया गया है।

25 जून: आपातकाल की बरसी आपातकाल की बरसी पर 25 जून को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रबुद्जनों, विशिष्टजनों की बैठकें, सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया जाएगा तथा उनके संस्मरणों को फेसबुक पर लाइव किया जाएगा। इस कार्यक्रम के जिला प्रभारी मोहन विटवेकर को बनाया गया है।

27 जून: प्रधानमंत्री जी का 'मन की बात' कार्यक्रम प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम में दी जाने वाली जानकारी का लाभ प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए सभी बूथों तक स्थायी रचना बनाई जाएगी। कार्यक्रम सुनते हुए विशिष्ट लोगों, संपूर्ण परिवारों की फोटो शेयर करें। कार्यक्रम के प्रभारी दारा सिंह सेंगर को बनाया है। सेवा ही संगठन और टीकाकरण अभियान का प्रभारी डॉ राकेश रायजादा को बनाया गया है 21 जून से यह अभियान प्रारंभ होगा जिसमें वैक्सीनेशन अभियान प्रतेक बूथ को वैक्सिन युक्त करना जो टीका लगवाने स्पोट तक नहीं जा सकते उन्हें वाहन की व्यवस्था कराना, प्रचार प्रसार के लिए हॉर्डिंग लगवाना, धर्मगुरु एवं प्रमुखजनों का वीडियो बनाकर वैक्सीनेशन की अपील करता हुआ वीडियो वायरल करना, नर्सिंग स्टाफ और डॉ का सम्मान करना।

नैनो न्यूज

कोरोना से पत्नी की मौत के बाद पति ने जहर खाया

ग्वालियर। उपनगर मुरार के लाल साहब की बगीची सीपी कॉलोनी के पास रहने वाली एक महिला की कोरोना से मौत के दो माह बाद पति भी जहर खा लिया। परिजन ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां रविवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है । जानकारी के अनुसार उपनगर मुरार के लाल साहब की बगीची सीपी कॉलोनी के पास रहने वाला 26 वर्षीय संजय सविता सैलून संचालक था। । करीब दो महीने पहले कोरोना की दूसरी लहर में उसकी पत्नी कविता की मौत हो गई। पत्नी की मौत का गम संजय झेल नहीं पाया। दोनों की शादी को दो साल हुआ था। पत्नी की मौत के बाद वह डिप्रेशन में चला गया। डिप्रेशन के चलते शनिवार रात को उसने जहर खा लिया। उसकी हालत बिगड़ी तो परिजन अस्पताल लेकर आए जहां उसकी मौत हो गई।

मृत्यु प्रमाण पत्र पर मृत्यु का कारण दर्ज न हो वापस लो सरकार का हुकमः सीपीएम

ग्वालियर। कोरोना से निपटने और मरीजों की जान बचाने में प्रदेश की शिवराज सरकार भले ही फिसड्डी साबित हुई हो, मगर कोरोना से हुई मौतों की संख्या को कम करके बताने में यह सरकार युद्ध स्तर पर लगी हुई है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने प्रेस को जारी बयान में कहा है कि राज्य सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय मध्यप्रदेश के आयुक्त श्री अभिषेक सिंह की ओर से सभी जिला पंजीयक मृत्यु एवं जन्म प्रमाण और संभाग एवं जिला कार्यालय योजना एवं सांख्यिकी को 1 जून को अपने पत्र क्रमांक 2732/2021 में आदेश जारी कर कहा है कि मृतक का प्रमाण पत्र जारी करते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि प्रमाण पत्र पर मृत्यु का कारण दर्ज नहीं होना चाहिए।

ग्वालियर में घर के बाहर मिला प्रेमी का शवः युवती बोली- साथ सुसाइड करना चाहते थे, वो फंदे पर पहले लटक गया, घबराकर बाहर फेंक दिया

ग्वालियर। ग्वालियर में एक युवक का शव उसकी ही प्रेमिका के घर के दरवाजे पर पड़ा मिला है। युवक के गले पर रस्सी के साथ शरीर पर मारपीट के निशान मिले हैं। प्रेमिका को पुलिस ने हिरासत में लिया तो उसने कहानी सुनाई कि परिवार वाले शादी को तैयार नहीं थे। आधी रात हम दोनों साथ में खुदकुशी करना चाहते थे। झगड़ा हुआ तो मुझसे पहले उसने फंदा गले में डाला और लटक गया। उसकी मौत होते ही मैं घबरा गई और शव उतारकर बाहर फेंक दिया। पुलिस को इस कहानी पर पूरा यकीन तो नहीं है, लेकिन एक्सपर्ट व्यू और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से कहानी का मिलान किया जा रहा है।

घटना गोल शहर के पहाड़िया मूलादास की खोह में शनिवार-रविवार दरमियानी रात की है। जनकगंज थाना पुलिस को रविवार सुबह सूचना मिली थी कि गोल पहाड़िया मूलादास की खोह में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ष्टस्क आत्माराम शर्मा ने जांच शुरू की। युवक के परिजन ने इसे हत्या बताया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

मारपीट के निशान से शक

शव के गले पर रस्सी या किसी कपड़े से कसने के निशान के अलावा शरीर पर मारपीट की चोट के निशान थे। पुलिस ने जब पूछताछ की तो शव की शिनाख्त पास ही रहने वाले 25 वर्षीय संजय वाल्मीकि पुत्र सिरनाम वाल्मीकि के रूप में हुई। पड़ताल की तो पता लगा कि जिस दरवाजे पर उसका शव मिला है वो मृतक की प्रेमिका का घर है। इसके बाद पुलिस ने जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट सीनियर साइंटिस्ट अखिलेश भार्गव को बुलवा लिया गया। एक्सपर्ट की जांच के बाद शव को निगरानी में लेकर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया है।

परिजन बोले- हत्या की गई है

संजय के परिजन का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। गला और शरीर पर चोट के निशान हैं। जिससे साफ है कि मारपीट कर गला कसा गया है। संजय घर से अभी आता हूं कहकर निकला था, लेकिन फिर लौटा ही नहीं। उसकी हत्या कर बाहर फेंक दिय गया है। युवती के परिवार वाले शादी के लिए तैयार नहीं थे।

50 हजार लोगों को वैक्सीनेशन लगाये जाने का लक्ष्य

कोरोना वैक्सीनेशन का महाअभियान 21 जून से शुरू होगाः प्रद्युम्न सिंह तोमर

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के साथ ही ग्वालियर में भी कल 21 जून से महामारी कोरोना के वैक्सीनेशन का महाअभियान शुरू होगा यह अभियान 30 जून तक चलेगा। इस दौरान ग्वालियर जिले में लगभग 50 हजार लोगों को वैक्सीनेशन लगाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पूरा कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में होगा।

उक्त जानकारी आज पत्रकारों को देते हुये मप्र के उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, जिला कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह , नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने पत्रकारों को बताया कि ग्वालियर जिले में लगभग 300 केन्द्र शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में वैक्सीनेशन के लिये बनाये गये हैं। इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

वहीं 60 मोबाइल सेंटर भी बनाये गये है जो चिन्हित स्थानों पर पहुंच कर लोगों का वैक्सीनेशन करेंगे। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि ग्वालियर जिले में 18 प्लस के लगभग 16 लाख लोग हैं। इनमें से लगभग 6 लाख लोगों को अभी तक वैक्सीनेट किया जा चुका है। इस अभियान के दौरान लगभग डेढ लाख से अधिक लोगों को वैक्सीनेट किया जायेगा। इसके बाद ग्वालियर में लगभग 50 प्रतिशत लोग वैक्सीनेट हो जायेंगे। कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान के दौरान आदर्श वैक्सीनेशन सेंटर भी बनाये जा रहे हैं। जहां पहुंचने वाले लोगों को और बेहतर सुविधायें मिलेंगी। उन्होंने बताया इस अभियान में अच्छा काम करने वाले सेंटर के कर्मचारियों अधिकारियों को पुरस्कृत करने की भी योजना है। इस दौरान जो सबसे अच्छा वैक्सीनेशन करेगा उसे 25 हजार रूपये का इनाम साथ ही नौ अन्य लोगों को भी पुरस्कार नगद दिया जायेगा। साथ ही वैक्सीन लगवाने वालों को भी पुरस्कार दिये जायेंगे इसमें टीवी , फ्रिज, कूलर आदि इनाम में रखे गये हैं। इसके लिये 21 जून को जो वैक्सीन लगवायेंगे उनको ऑन लाइन नंबर निकाल कर लकी ड्रा द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि इस अवसर पर जहां सांसद विवेक शेजवलकर , राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया मंत्री एवं विधायक गण अभियान का औपचारिक रूप से दस बजे विभिन्न केन्द्रों पर शुभारंभ करेंगे वहीं लोगों को सुबह आठ बजे से ही वैक्सीन लगना शुरू हो जायेगी।

सराफा कारोबारी के फ्लैट में घुसे चोर गार्ड ने शोर मचाया तो एक पकड़ा गया

ग्वालियर। ललितपुर कॉलोनी स्थित काशी मेंशन में शुक्रवार-शनिवार रात 3.45 बजे चार चोर घुस गए। तीसरी मंजिल पर सराफा कारोबारी एमसी जैन के फ्लैट का ताला तोड़ा और अंदर से सोना-चांदी के जेवर निकाल लिए। चोर भाग ही रहे थे, तभी गार्ड की नजर पड़ गई। उसने शोर मचाया तो अपार्टमेंट में रहने वाले लोग भी आ गए। इसके बाद एक आरोपी पकड़ा गया, जबकि तीन चोर भाग गए। रात में आरोपी को कंपू पुलिस ले गई। शनिवार दोपहर में अपार्टमेंट की सीढ़ी पर चांदी के जेवर से भरा बैग मिल गया। पुलिस को सूचना दी लेकिन सराफा कारोबारी की पत्नी ने एफआईआर कराने से इनकार कर दिया। वहीं शनिवार की रात चोरों ने फिर सराफा कारोबारी के फ्लैट में चोरी करने का दुस्साहस किया, लेकिन लोगों को जागने के कारण वे भाग गए।

PRABAL RAJAWAT
(medicine counselor)
M.9584013254
Air SON PHARMA
PRASHANT BHADOURIYA
M.8279318693
Patient Home Care Services
we care for you
24 hours healthcare facilities at home Patient and child care taker facilities male and female All nursing care at home Hospital duty SOS .nursing staff available All specialist and consalting at your home Blood urin sample collect your home
Shivendra singh
(Gwalior diagnostic)
M.9713193637
Near madhav plaza lashkar Gwalior 474001

कड़कड़ाती धूप और धूल भरी हवा के बीच ग्वालियर अंचल में मानसून ने दी दस्तक, शाम को छाए बादल हुई बारिश

ग्वालियर। ग्वालियर के लोगों को जिस पल का इंतजार था लो वह पल आ गया है। ग्वालियर-चंबल अंचल में मानसून आ गया है। इसकी औपचारिक घोषणा मौसम विभाग ने भी कर दी है। इस बार समय से 5 दिन पहले मानसून ग्वालियर में आया है। यहां 24 जून को आना था, लेकिन 19 जून को मानसून ने अंचल में प्रवेश किया है। वो बात अलग है बिन बरसे कड़कड़ाती धूप और हवा में धूल उड़ाता हुआ मानसून आया है। पर ग्वालियर के आसपास जैसे भितरवार, दतिया में पानी गिरा है। रविवार दोपहर को ग्वालियर में बादल छाए और शाम तक यह बारिश में बदल गए। बारिश होने और ठंडी हवा चलने से मौसम सुहाना हो गया है। ग्वालियर में रविवार शाम को बारिश हुई है। इसके साथ ही अंचल के अन्य जिलों जैसे दतिया, श्योपुर और शिवपुरी, गुना, अशोक नगर में बादल भी छाए हैं और बारिश भी हो रही है। ऐसे में मानसूनी घटना अंचल में होने लगी हैं। यही कारण है कि 19 जून शनिवार को ग्वालियर में मानसून आ गया है यह मान लिया गया। जिले के ग्वालियर शहर और देहात में भितरवार में पानी भी गिरा है। पर शहर में इसके उल्टा रविवार दोपहर तक तेज धूप और धूल भरी आंधी चल रही थी। यही कारण है कि बिन बरसे ग्वालियर में मानसून प्रवेश कर गया। , लेकिन शाम होते होते बादल भी छाए और बारिश भी हुई है। शहर के मुरार, सिटी सेंटर, थाटीपुर, फूलबाग एरिया में बारिश हुई है। मानसून ग्वालियर अंचल से मुरैना होते हुए राजस्थान की ओर बढ़ रहा है। यही कारण है कि शनिवार को ग्वालियर में मानसून की दस्तक को मानकर मौसम विभाग ने घोषणा कर दी।

मानसून घोषणा का यह है पैमाना

मौसम वैज्ञानिक डीपी दुबे की माने तो जहां भी मानसून की औपचारिक घोषणा की जाती है, उस जिले के अधिकतर हिस्सों में बारिश होना चाहिए। केंद्र पर कम से कम 2.5 रूरू (मिलीमीटर) बारिश होना चाहिए। स्थानीय स्तर से बारिश की रिपोर्ट लेने के बाद मानसून घोषित किया जाता है।

कई बार बारिश न होने पर भी करनी पड़ती है घोषणा

मौसम वैज्ञानिक ने यह भी बताया कि अभी ग्वालियर-चंबल से लगे राजस्थान के हिस्सों में बारिश हुई है। ग्वालियर को छोड़ शेष संभाग में बारिश हो चुकी है। कई बार ऐसा भी होता है कि बारिश नहीं होती और मानसून घोषित करना पड़ता है। इस बार ऐसा ही करना पड़ा है।

पांच दिन पहले आया मानूसन

ग्वालियर में अमूमन मानसून 24 जून के आसपास आता है, लेकिन कुछ वर्षो में मौसम विभाग ने मानसून की तारीख को भी अपने हिसाब से ऊपर नीचे किया है। पर इस बार 24 जून को मानसून आने की संभावना थी। जो 19 जून को ही आ गया।

मानसून आ गया है

ग्वालियर जिले में मानसून की शनिवार को दस्तक हो गई है। अगले एक दो दिन में हल्की बारिश की संभावना है। अभी गुना, अशोक नगर, दतिया, शिवपुरी और श्योपुर जिले में बारिश हो रही है।

SOMYA GROUP
सौम्या डिजिटल सर्विसेस
सभी प्रकार के ऑनलाईन कार्य किये जाते है।
आयुष्मान कार्ड | फोटो कॉपी | पेन कार्ड
अर्जेन्ट फोटो | वाहन बीमा | कलर प्रिन्ट
खसरा खतौनी | रेल्वे/बस टिकट | लाईट बिल
कॉलेज / स्कूल फीस | आय प्रमाण | MOBILE/DTH
जीवन प्रमाण पत्र | मूल निवासी | आय/जाति
समग्र आईडी | बिल भुगतान | ड्रायविंग लायसंन्स
हेल्थ इंन्सोरेन्स | पर्सनल इंन्सोरेन्स | वाहन बीमा
9713253992, 8889981102

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. I31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478